राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 23
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 08 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 टीचर्स फोरम ने डीयू कुलपति से कॉलेजों में स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया के समय संबंधित विषय के ऑब्जर्वर भेजे जाने की मांग की | पेज 5 एससी-एसटी एक्ट में दोषसिद्धि के पहले ही मुआवजे के लिए तीन साल में बांट दिए 17.86 करोड़ | पेज 7 इमरान खान की पार्टी के विधायक पर जानलेवा हमला, भाई-भतीजे समेत चार लोगों की मौत

पड़ोसी देश का नया हथकंडा

बिटकॉइन के जरिए कश्मीर में फंडिंग करने लगा पाकिस्तान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने पहली बार बिटकॉइन के जरिए आतंकवाद को फंडिंग करने की पाकिस्तानी चाल का पता लगाया है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने जम्मू-कश्मीर के मेंढर, पुंछ, बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में 2 महिलाओं सहित 7 लोगों के घरों पर छापेमारी की।

छापा मार कर जब्त किए दस्तावेज

छापों के दौरान एजेंसी ने डिजिटल उपकरणों, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, जिन घरों पर छापामारी की गई, उनमें कुपवाड़ा की जाहिदा बानो, गुलाम मुजाताबा दीदाद और तमजीदा बेगम, बारामूला के यासिर मीर, मोहम्मद सैयद मसूदी, पुंछ के फारूक अहमद और इमरान चौधरी हैं।

मास्टरमाइंड के नाम का खुलासा अभी नहीं

एसआईए के मुताबिक, भारत में आतंकियों के अर्थतंत्र के सभी रास्ते बंद होने के बाद पाकिस्तान अब नए हथकंडे अपना रहा है। फंड भेजने वाले पाकिस्तानी मास्टरमाइंड की पहचान कर ली गई है। उसकी पहचान गोपनीय रखी गई है, ताकि ग्राउंड नेटवर्क ध्वस्त किया जा सके।

अन्य देशों से भी भारत भेजी जा रही क्रिप्टो

जांच बताती है कि पाकिस्तान या अन्य देशों के क्रिप्टो खातों से बिटकॉइन या अन्य क्रिप्टोकरंसी जम्मू-कश्मीर में मौजूद हैंडलरों को ट्रांसफर की जाती है। हैंडलर अपने बैंक खातों से क्रिप्टो कैश करते हैं और पैसा आतंकियों को दे देते हैं।

3 दिन भारी बारिश के आसार

ओडिशा के खुर्दा में अंडरपास में बस फंसी; पश्चिम और मध्य भारत में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर हिस्सों में बाढ़ और बारिश से हालात खराब हैं। ओडिशा के खुर्दा में शनिवार को मूसलाधार बारिश होने के बाद सड़कों पर पानी भर गया। तेज बारिश के हालात ऐसे हो गए कि जटनी अंडरपास में फंसी एक सिटी बस आधे से अधिक पानी में डूब गई। समय रहते बस में सवार यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया।

इधर, मध्य प्रदेश के कई जिलों में शनिवार और रविवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश के मंडी में लैंडस्लाइड से चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाइवे-3 बंद हो गया।

दूसरी तरफ दिल्ली-एनसीआर में शनिवार से रुक-रुक कर हो रही बारिश हो रही है। रविवार को भी राजधानी में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 8 से 11 अगस्त तक दिल्ली एनसीआर में तेज बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 7, 8 और 9 अगस्त को पश्चिम और मध्य भारत में भारी बारिश के आसार हैं।

राजस्थान में 4 दिन तेज बारिश का अलर्ट

राजस्थान में लगातार तीसरे दिन शनिवार को भी कई जिलों में अच्छी बारिश हुई। भीलवाड़ा, भरतपुर, अलवर जिलों में 3 इंच से ज्यादा पानी बरसा। सबसे ज्यादा बरसात भीलवाड़ा जिले में हुई।

बनास नदी पर बनी त्रिवेणी का गेज बढ़ गया, जिससे बीसलपुर बांध में पानी की आवक तेज हो गई। मौसम केन्द्र जयपुर ने 14 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 4 दिन मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है।

पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के काछोला में 117मीमी(4.5 इंच) बरसात हुई। इसी तरह अलवर के सोडावास में भी 108 मीमीबरसात रिकॉर्ड की गई। इन जिलों के अलावा भरतपुर, बाड़मेर, बांसवाड़ा, बूंदी, जयपुर, जैसलमेर, करौली, राजसमंद, उदयपुर, टोंक समेत अन्य जिलों में भी अच्छी बरसात हुई।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में शनिवार से जमकर बदरा बरस रहे हैं। खासतौर पर मौसम विभाग ने अगले 72 घंटों के लिए दक्षिण छत्तीसगढ़ के अधिकतर जिलों में भारी बरसात की चेतावनी जारी की है। इसमें बीजापुर जिले में एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी बरसात के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई जा रही है।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में बीजापुर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि बीजापुर जिले में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी से अति भारी वर्षा और वज्रपात की संभावना है।

प्रदेश के 7 अन्य जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोण्डागांव, नारायणपुर, धमतरी और गरियाबंद जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा और वज्रपात का येलो अलर्ट भी जारी हुआ है।

गुजरात में मानसून फिर से सक्रिय

गुजरात में सक्रिय मानसून के चलते आगामी 5 दिनों तक विविध भागों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। कुछ-कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है। वहीं, सोमवार को डांग, नवसारी, वलसाड, जूनागढ़ एवं गिर-सोमनाथ में भारी से अतिभारी बारिश की आशंका है।

मध्य प्रदेश : बिजली गिरने से 7 की मौत

मध्यप्रदेश में बारिश का दौर एक बार फिर शुरू हो गया है। राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हो रही है। 24 घंटे में बारिश के बीच बिजली गिरने से सतना में 3 तो विदिशा में 4 लोगों की मौत हो गई। भोपाल में भदभदा डैम का एक गेट खोलकर बड़े तालाब का पानी निकालना पड़ा। यह गेट शनिवार शाम 6 बजे बंद किया गया। भोपाल के कई निचले इलाकों में पानी भर गया।

मेरठ में एकतरफा प्यार में प्रेमिका को फावड़े से काट डाला

मेरठ। मेरठ में एक युवक ने अपनी 21 साल की प्रेमिका को फावड़े से काट डाला। रविवार को महिला का शव खून से लथपथ हालत में मिला है। गर्दन के साथ शरीर पर अलग-अलग जगह 20 से ज्यादा निशान मिले हैं। मामला लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र का है। घटना का पता चलने पर आस-पास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया और लिसाड़ीगेट इंस्पेक्टर उत्तम सिंह राठौर मौके पर पहुंचे। पुलिस पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई कर रही है। शहजाद कॉलोनी में 21 साल की रुखसार रहती थी। उसका पति शाकिब प्राइवेट नौकरी करता है। उसी के मोहल्ले में खालिद भी रहता है। खालिद ने जब से रुखसार को देखा, उससे प्यार करने लगा। वह रुखसार से शादी करना चाहता था। रुखसार इस बात को पहले नहीं जानती थी। मगर, धीरे-धीरे वह भी समझ गई कि खालिद उससे एकतरफा प्यार करता है।

दिल्ली में आईएस का आतंकी गिरफ्तार

क्रिप्टोकरेंसी से फंड भेजता था; एनआईए ने बाटला हाउस इलाके में छापा मारा, कई दस्तावेज बरामद

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। एनआईए दिल्ली के बाटला हाउस इलाके से इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया के एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक आतंकी का नाम मोहसिन अहमद है। वह बिहार का रहने वाला है। मोहसिन कई दिनों से आईएसआईएस मॉड्यूल का एक्टिव मेंबर है। जानकारी के अनुसार, एनआईए की टीम ने बाटला हाउस के एक घर पर छापा मारा, जहां से मोहसिन को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी में घर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं।

जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी के छात्रों ने दी जानकारी

बताया जा रहा है कि दिल्ली के जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्रों ने मोहसिन के बारे में

सूचना दी थी, जिसके आधार पर जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई की। यूनिवर्सिटी के छात्रों की माने तो उसने कई छात्रों को इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रभावित करने की कोशिश की। इस मामले में जांच एजेंसी ने 25 जून को ही मोहसिन के खिलाफ केस दर्ज किया था, जिसके बाद लगातार उसकी तलाश की जा रही थी।

सीरिया में मौजूद आईएस कमांडरों के संपर्क में था

जांच में पता चला कि वो अफगानिस्तान और सीरिया में मौजूद आईएसआईएस के कमांडरों से संपर्क में था और उनको क्रिप्टोकरेंसी के जरिए फंड भेजता था। एनआईए के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि मोहसिन अहमद आईएसआईएस के लिए भारत में फंडिंग करता था। जांच एजेंसी अब यह पता लगा रही है कि क्रिप्टोकरेंसी और हवाला के जरिए हुई ट्रांजेक्शन को किसने फंड किया। इसका हैंडलर कौन है और कहां बैठा है? यह आगे कहां पैसों की सप्लाई कर रहा था। किसके पास पैसा भेजा जा रहा था।

देश में कोरोना संक्रमण के 18738 नए मामले

सक्रिय मामले की संख्या 140 बढ़ जाने से इनकी कुल संख्या 1,34,933 हो गयी है

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 18738 नए मामले सामने आए है और 18558 मरीजों के स्वस्थ होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 43484110 हो गयी है।

देश में सक्रिय मामले की संख्या 140 बढ जाने से इनकी कुल संख्या 1,34,933 हो गयी है।

इस बीच देश में आज 2062179411 करोड़ टीके लगाये जा चुके हैं। पिछले 24 घंटों में 2958617 लोगों का टीकाकरण किया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 18738 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,41,45,732 हो गयी। जबकि इसके संक्रमण से 18,558 लोगों के स्वस्थ्य होने के साथ ही कोरोनामुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 43484110 हो गयी है।

देश में सक्रिय मामलों की दर 0.31 प्रतिशत है, जबकि रिकवरी दर 98.50 और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है।

देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 72 हजार 910 कोविड परीक्षण किए गये हैं तथा अब कुल 87 करोड़ 78 लाख से अधिक कोविड परीक्षण किए जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले 24 घंटों में कोरोना सक्रिय मामले 675 घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 8331 रह गयी है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 2068693 हो गयी है। इस महामारी से चार और मरीजों की जान जाने से अभी तक राज्य में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 21393 हो गया है।

केरल में 683 कोरोना सक्रिय मामले कम से इनकी संख्या घटकर 11103 रह गयी है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 6647037 हो गयी है।

इस महामारी से एक और मरीज की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 70557 हो गया है।

वर्ष 2047 के भारत की ओर समग्रता से बढ़े देश : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड पश्चात भारत और वर्ष 2047 के भारत की ओर समग्रता से बढ़ने का आह्वान किया है।

मोदी की अध्यक्षता में रविवार को नीति आयोग की शासी परिषद की सातवीं बैठक हुई। बैठक के बाद नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बैरी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमेश्वरण अय्यर ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रधानमंत्री ने शुरुआती

प्रधानमंत्री ने राज्यों से कोविंद पश्चात के भारत और भविष्य तथा वर्ष 2047 के भारत के लिए समग्र विकास की दिशा में काम करने को कहा। उन्होंने बताया कि बैठक में जी-20 सम्मेलन, फसलों के विविधीकरण, शहरी प्रशासन, उच्च शिक्षा और '2047 में भारत' पर गहन मंथन किया गया।

बैरी ने बताया कि बैठक में अगले वर्ष देश में होने वाली जी- 20 की बैठक के आयोजन और राज्यों की भूमिका पर भी विचार विमर्श किया गया।

नीति आयोग की 7वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक

पीएम बोले- कोरोना से जंग जीत हम वैश्विक नेता बन गए, केसीआर और नीतीश शामिल नहीं हुए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में नीति आयोग की 7वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक हुई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी अध्यक्षता की। इस दौरान पीएम ने कोरोना के खिलाफ जंग में राज्य सरकारों के प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमने एकजुट होकर काम किया, जिसने देश को कोरोना महामारी से उभरने में मदद की। यही वजह है कि आज देश वैश्विक नेता बनकर उभरा है।

तेलंगाना और बिहार सीएम बैठक में नहीं पहुंचे

बैठक में सभी राज्यों के सीएम,

केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष, नीति आयोग के फुल टाइम मेंबर्स और केंद्रीय मंत्रियों ने भाग लिया। हालांकि, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बैठक का बहिष्कार किया है। साथ ही बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी स्वास्थ्य कारणों के चलते बैठक में नहीं पहुंचे।

केसीआर ने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखकर बैठक में शामिल न होने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि केंद्र, तेलंगाना के साथ जो भेदभाव करता है उसके विरोध जताने के लिए वो बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हाल ही में कोरोना निगेटिव हुए हैं, इसी वजह वे बैठक में शामिल नहीं हुए।

जुलाई 2019 के बाद से गवर्निंग काउंसिल की यह पहली व्यक्तिगत बैठक है। इसमें केंद्र और राज्यों के बीच एक नई दिशा में काम करने के लिए तालमेल बैठाने को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक के एजेंडे में फसल विविधीकरण और तिलहन- दालों और कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना शामिल है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-स्कूली शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-उच्च शिक्षा का कार्यान्वयन और शहरी शासन समेत अन्य मुद्दे शामिल रहे।

केसीआर ने बैठक का बायकॉट किया

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शनिवार को पीएम को पत्र लिखकर कहा कि वह राज्यों के प्रति केंद्र के वर्तमान भेदभावपूर्ण रवैये के विरोध में बैठक का बहिष्कार करेंगे। भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तभी विकसित हो सकता है जब राज्यों का विकास हो। मजबूत और आर्थिक रूप से जीवंत राज्य ही भारत को एक मजबूत देश बना सकते हैं।

भीषण हादसा

बीकानेर के डूंगरगढ़ में कार-इनोवा में भीषण टक्कर, महिला गंभीर घायल

बीकानेर : बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष समेत 4 की मौत

एजेंसी

बीकानेर। कार-इनोवा की भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में राजस्थान बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष संजय शर्मा भी शामिल हैं। उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा नेशनल हाईवे-11 पर दोपहर 4 बजे बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में हुआ।

पुलिस ने बताया कि हादसा बिग्गा पेट्रोल पंप के पास हुआ है। दोनों गाड़ियों में आमने-सामने की टक्कर हुई।

हादसे में इनोवा गाड़ी के ड्राइवर झुंझुनूं निवासी विनोद पुत्र जीवाराम की मौके पर मौत हो गई। वहीं, इसी गाड़ी में सवार जयपुर निवासी सुलोचना पत्नी महिपाल सिंह की भी जान चली गई।

दूसरी कार में सवार जयपुर के गोपालपुरा बाइपास निवासी संजय शर्मा पुत्र ओमप्रकाश शर्मा ने पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। संजय राजस्थान बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। मौजूदा काउंसिल में वे सदस्य थे।

हादसे में उनकी पत्नी शालिनी गंभीर घायल हो गई हैं। वहीं संजय शर्मा की गाड़ी के ड्राइवर की भी मौत हो गई।

बीकानेर जा रहे थे संजय

संजय अपनी पत्नी शालिनी के साथ बीकानेर जा रहे थे। यहां रानी बाजार के पास स्थित शर्मा कॉलोनी में उनकी साली रहती है। वे यहां एक प्रोग्राम में शामिल होने के लिए सुबह जयपुर से रवाना हुए थे।

सीकर में कोचिंग चलाती थी सुलोचना

वहीं दूसरी गाड़ी में हादसे में जान गंवाने वाली महिला सुलोचना सीकर में कोचिंग क्लास चलाती थी। उनके पति महिपाल सिंह शिक्षा विभाग में सीनियर टीचर हैं। रविवार को इस हादसे के बाद से कोचिंग ओर स्टाफ में शोक है।

मणिपुर में 5 दिन इंटरनेट बंद

छठे-सातवें संशोधन विधेयक पेश होने के बाद भड़की हिंसा; उपद्रवियों ने जला दी थी वैन

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में राजधानी इंफाल समेत कई जिलों में 5 दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं हैं। राज्य के बिष्णुपुर जिले में एक समुदाय के 3 से 4 लोगों ने शनिवार शाम को एक वैन में आग लगा दी थी, जिसके बाद जिले में संप्रदायिक तनावपुर्ण की स्थिति पैदा हो गई। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार ने अगले दो महीने के लिए चुराचांदपुर और बिष्णुपुर में धारा 144 लगाई है। जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार द्वारा पेश छठे एवं सातवें संशोधन विधेयक का लोग विरोध जता रहे हैं। पुलिस के मुताबिक तनावपुर्ण इलाकों में कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। राज्य के गृह मंत्रालय के विशेष सचिव एच ज्ञान प्रकाश का कहना है कि कुछ असमाजिक तत्व राज्य में सोशल मीडिया के माध्यम से हेट स्पीच फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

छठे एवं सातवें संशोधन विधेयक का विरोध कर रहे लोग

दरअसल, पिछले मंगलवार को मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने मणिपुर (पर्वतीय क्षेत्र) जिला परिषद छठे एवं सातवें संशोधन विधेयक पेश किए थे। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक ये विधेयक उनकी मांगों के अनुरूप नहीं हैं। जिसके विरोध में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर कई दिनों से हंगामा कर रहे हैं। शनिवार को ATSUM ने इंफाल समेत कई जिलों में काफी हंगामा किया।

इस दौरान कई गाड़ियों में तोड़पोड़ और आगजनी की गई। पुलिस कार्रवाई में 30 से ज्यादा छात्र घायल हुए। वहीं, 5 आदिवासी छात्र नेता को गिरफ्तार किया गया।

उन्हें 15 दिनों की रिमांड पर भेज दिया गया है। अब छात्र संगठन अपने गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग कर रहा है।

शार्ट न्यूज

कठुआ में तलाश दल पर हमला, एक जवान घायल, एक गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में कठुआ जिले के लखनपुर इलाके में एक विशेष समुदाय के लोगों ने पुलिस तलाशी दल पर हमला कर दिया, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को बताया कि इस संबंध में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा, हमने लखनपुर के चक गोटा में कल रात एक कथित गौ तस्कर को गिरफ्तार करने के लिए अभियान चलाया। इस दौरान तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होने पर आत्मरक्षा में हवाई गोलियां चलाईं।पुलिस ने बताया कि एक कांस्टेबल को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने कहा, एक आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कुलगाम में पेड़ से लटका शव मिला

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में रविवार को एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान 50 वर्षीय मुश्ताक अहमद डार के रूप में हुई है, जो पेशे से बढ़ई था और अड्डुर बिजबिहरा का रहनेवाला था। ग्रामीणों ने उसका शव देखकर पुलिस को सूचित किया। वह शुक्रवार को घर से काम के लिए निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र

हैदराबाद। मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार को कहा कि ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र अब ओडिशा के उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तथा निकटवर्ती उत्तरी आंध्र प्रदेश तटों तक पहुंच गया है एवं स्पष्ट रूप निम्न दवाब का क्षेत्र बना लिया है। एक विशेष बुलेटिन में, इसने कहा कि संबद्ध चक्रवाती सर्कुलेशन समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। औसत समुद्र तल पर मानसून गर्त अब जैसलमेर, कोटा, रायसेन, सिवनी, दुर्ग, ओडिशा से सटे बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-मध्य पर स्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र का केंद्र और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश तट और वहां से दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर अंडमान सागर से गुजर रहा है। बुलेटिन में कहा गया कि अपतटीय गर्त समुद्र तल पर दक्षिण महाराष्ट्र तट से लेकर उत्तरी केरल तट तक है।

असम, त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों ने आपसी हितों पर की चर्चा

नयी दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा और उनके त्रिपुरा समकक्ष माणिक साहा ने रविवार को असम हाउस में मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, असम हाउस में श्री साहा के साथ मुलाकात के दौरान श्री सरमा ने पड़ोसी राज्य के साथ संबंधों को मजबूत करने सहित आपसी हितों और सहयोग के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। बयान के मुताबिक, दोनों मुख्यमंत्रियों ने अपने सौहार्दपूर्ण संबंधों को और समृद्ध बनाने तथा क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि की दिशा में काम करने के लिए अपनी पारस्परिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए चर्चा समाप्त की। असम के मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, असम और त्रिपुरा के बीच हमेशा से ही सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं। हम दोनों की पार्टी को सुदृढ़ बनाने हेतु वार्तालाप हुआ।

केरल में भारी बारिश के बाद इडुक्की डैम खुला

इडुक्की (केरल)। इडुक्की बांध का एक शटर रविवार को अतिरिक्त पानी निकालने के लिए खोल दिया गया क्योंकि भारी बारिश होने के कारण जलग्रहण क्षेत्रों में अतिरिक्त पानी भर गया था। सूत्रों के अनुसार, शटर को सुबह 10 बजे 70 सेंमी तक उठा दिया गया और 50,000 लीटर पानी प्रति सेकेंड निकाला गया। शनिवार को इडुक्की डैम के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया, जब इसके पानी का स्तर 2382.52 फीट तक पहुंच गया जबकि इसकी क्षमता 2403 फीट है। प्राधिकरण ने पेरियार नदी के तट पर रहने वाले लोगों को सचेत करते हुए कहा कि वे नदी के पानी का स्तर बढ़ने के प्रति सचेत रहें।

भूस्खलन के चलते मैदानी क्षेत्र से पहाड़ को जोड़ने वाला चंपावत-टनकपुर मार्ग बंद

नैनीताल। उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के चंपावत में बारिश के कारण हुए भूस्खलन से मैदानी क्षेत्र से पहाड़ को जोड़ने वाला चंपावत-टनकपुर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है। इस समय मंडल में कुल 24 ग्रामीण सड़कें बंद हैं। कुमाऊं के पहाड़ी इलाकों में रूक रूक कर बारिश हो रही है, जिससे चंपावत जनपद के स्वाला में चंपावत-टनकपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर रात को भूस्खलन शुरू हो गया। देखते देखते मार्ग पर भारी मलबा आ गया, जिससे मार्ग पर आवागमन बंद हो गया है। जिससे लंबी दूरी के वाहन फंस गये। प्रशासन भी तुरंत हरकत में आया और जेसीबी मशीनों को मलबा हटाने में लगा दिया गया। स्वाला में युद्धस्तर पर मलबा हटाने का कार्य चल रहा है। भूस्खलन के चलते चंपावत, पिथौरागढ़ तथा नैनीताल जनपद में कुल 24 सड़कें बंद हैं। इनमें अधिकांश गांवों को जोड़ने वाले मार्ग है। नैनीताल-भवाली राजमार्ग अभी बंद हैं। पिछले महीने 29 जुलाई को पाइंस के पास भूस्खलन होने और सड़क का बड़ा हिस्सा ढहने से सड़क पर यातायात बंद हो गया था। प्रशासन की ओर से मार्ग को खोलने के लिये युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि चीन सीमा को जोड़ने वाले सभी बार्डर मार्ग यातायात के लिये खुले हैं।

इसरो के पहले एसएसएलवी मिशन में टर्मिनल चरण में डेटा खोया : सोमनाथ

श्रीहरिकोटा। इसरो अध्यक्ष डॉ.एस.सोमनाथ ने कहा है कि छोटे उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (एसएसएलवी) के आज सुबह 09.18 बजे उड़ान भरने के कुछ देर बाद एम तकनीकी अड़चन में इसका कुछ डाटा खो गया। डॉ सोमनाथ ने एसएसएलवी के उड़ान भरने के बाद मिशन कंट्रोल सेंटर के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि एसएसएलवी के तीनों चरणों का पृथक्करण सामान्य रहा और उम्मीद के अनुरूप इसका प्रदर्शन रहा ख् लेकिन बाद में इसका डेटा खो गया। उन्होंने कहा कि उसउसएलवी की स्थिति जानने के लिए आंकड़े जुटाए जा रहे हैं। इससे पहले तड़के 02.18 बजे शुरू हुई उल्टी गिनती के सात घंटे बाद सुबह 09.18 बजे एसएलवी ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) शार रेंज से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस)-02 और एक सह-यात्री उपग्रह 'आजादीसैट' के साथ उड़ान भरी। इस मौके पर इसरो अध्यक्ष डॉ एस सोमनाथ, पूर्व इसरो अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन और श्री के सिवन तथा मिशन नियंत्रण केंद्र के वैज्ञानिक मौजूद रहे। राकेट के उड़ान भरने के साथ ही आसमान में नारंगी धुएं का गुबार उड़ता नजर आया और ऐसा लगा, जैसे इसने पृथ्वी को हिला दिया। एसएसएलवी 34 मीटर लंबा है जो पीएसएलवी से लगभग 10 मीटर कम है।

केरल में 'हर घर तिरंगा' के तहत 26.25 लाख राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा

तिरुवनंतपुरम। केरल में आगामी 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा के तहत घरों पर 26.25 लाख राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने अपने बयान में कहा कि कुदंबश्री स्वयं सहायता समूहों ने खादी और कपास सामग्री के निर्माण को प्राथमिकता के साथ अपने स्थानीय क्षेत्र में राष्ट्रीय ध्वज को विकेन्द्रीकृत तरीके से सिलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाना उन लोगों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्वशासन और सामान्य शिक्षा विभागों को नोडल विभागों के रूप में सौंपा गया है और जिला कलेक्टरों को झंडों का वितरण समय पर पूरा करने के निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को दिल्ली में राष्ट्रपति भवन स्थित संस्कृति केंद्र में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव की तीसरी राष्ट्रीय समिति की बैठक में भी शामिल हुए।

रामबन विस्फोट मामले में 2 आतंकी गिरफ्तार

50 हजार रुपये लेने की बात स्वीकारी, मोबाइल डेटा की हो रही जांच

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रामबन जिले में पुलिस चौकी पर विस्फोट करने के मामले में दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान वार्ड नंबर 4 के शाह दीन पडियार और महाकुंड के मोहम्मद फारूक के रूप में हुई है। एसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि दहशतगर्दों ने हमले को अंजाम देने की बात कबूल कर ली है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान मोहम्मद फारूक ने एक व्यक्ति से 50,000 रुपये लेने की बात स्वीकार की, जिसने उन्हें इलाके में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमला करने का काम दिया था। उन्होंने बताया

कि फारूक को पैसे देने वाले व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। फारूक के पास से उसके मोबाइल फोन की दो सिम के अलावा तीन अन्य सिम कार्ड भी मिले हैं।

ऑफिसर ने बताया कि पुलिस की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी टीम इन पांच सिम कार्डों और मोबाइल फोन के सभी डेटा को खंगालने का काम कर रही है। दोनों आतंकवादियों पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आतंकवादियों को नकदी मुहैया कराने वाले व्यक्ति की पहचान का पता लगाने के बाद और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

आतंकवाद मुक्त घोषित था यह इलाका

गौरतलब है कि गुल इलाके के इंड गांव स्थित पुलिस चौकी पर दो अगस्त को अज्ञात आतंकवादियों ने विस्फोटक फेंका था, जिसमें दो पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हो गए थे। इस इलाके में बीते एक दशक में इस तरह की यह पहली घटना थी, जबकि इलाके को आतंकवाद मुक्त घोषित किया गया है।

सुरजीत सिंह हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के गदरपुर में हुए जसवीर हत्याकांड के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पैसों के लेन देन को लेकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया। उधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) टीएस मंजूनाथ की ओर से रूद्रपुर में इस मामले का खुलासा करते हुए बताया गया कि विगत पांच जुलाई को गदरपुर के चंदनपुरा निवासी जसबीर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। मृतक के भाई सिकंदर पाल की ओर से हत्या का सनसनीखेज आरोप रोशनपुर निवासी जगजीत सिंह व प्रदीप सिंह समेत चार लोगों पर लगाया गया था। तहरीर में आगे कहा गया था कि वादी व मृतक दोनों पास के गांव बजरा बजीर में कुछ सामान खरीदने गये थे। इसी दौरान रास्ते में जगजीत सिंह ने उसके भाई पर तमंचे से गोली चला दी। जसबीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गदरपुर अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर गदरपुर के प्रभारी के नेतृत्व में तत्काल एक टीम का गठन किया गया और टीम ने जगजीत सिंह उर्फ जग्गा व प्रदीप सिंह को आज सुबह तड़के गदरपुर के डलपुरा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

मुहर्रम के जुलूस को रोकने के लिए श्रीनगर में कड़ी सुरक्षा

एजेंसी

श्रीनगर। शिया मुसलमानों को मुहर्रम का जुलूस निकालने से रोकने के लिए रविवार को श्रीनगर शहर के कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया और सड़कों पर बैरिकेड लगाए गए।

शिया मुसलमान आठवें दिन भी श्रीनगर के गुरु बाजार से शहीदगंज, मौलाना आजाद रोड से होते हुए शहर के केंद्र में डलगेट इमामबाड़ा तक मोहर्रम का ताजिया जुलूस निकालने वाले थे, जिसकी अनुमति जिला अधिकारियों द्वारा नहीं दी गई।

एक आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, श्रीनगर के जिलाधिकारी ने शनिवार को यह निर्णय लिया कि सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मुहर्रम के जुलूसों को गुरु बाजार से डलगेट की ओर तथा अबी गुजर से जदीबल मार्ग की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गयी है जिसमें शिया समुदाय को धार्मिक जुलूस निकालने की अनुमति देने मांग की गई, विशेष रूप से मुहर्रम के दौरान गुरु बाजार से डलगेट तक। जिसके बाद न्यायालय ने सक्षम प्राधिकरण को मुहर्रम जुलूस से संबंधित निर्णय लेने के लिए कहा गया।

सिटी सेंटर में 1989 से ही मुहर्रम का जुलूस निकालने अनुमति नहीं दी जा रही है, लेकिन मुहर्रम के जुलूस शहर के अंदरूनी भागों और कश्मीर घाटी के अन्य जिलों में हमेशा की तरह निकलते हैं।

गुरु बाजार से लेकर डलगेट तक कई सड़कों पर बैरिकेड लगाए गए और गलियों और बाईलेन को बंद करने के लिए कॉन्सर्टीना रेजर वायर बिछाए गए, इसके अलावा कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी सभा को रोकने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया।

महाराष्ट्र में माता-पिता ने की बेटी की हत्या

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक पति-पत्नी ने अपनी पांच साल की बच्ची को पीट-पीट कर मार डाला। वे बुरी शक्तियों को दूर करने के लिए बच्ची पर काला-जादू करा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात हुई। बच्ची के पिता सिद्धार्थ चिमने (45 साल), मां रंजना (42 साल) और आंटी प्रिया बानसोड़ (32 साल) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची का पिता सिद्धार्थ यूट्यूब पर एक लोकल न्यूज चैनल चलाता है। वह पिछले महीने गुरु पूर्णिमा के मौके पर अपनी पत्नी और 5 और 16 साल की दो बेटियों के साथ तकलघाट इलाके में एक दरगाह गया था। वहां से लौटने के बाद उसे अपनी छोटी बेटी के बर्ताव में कुछ बदलाव होने का शक हुआ। उसे लगा कि उसकी बेटी पर बुरी शक्तियां हावी हो गई हैं, इसलिए उसने बेटी पर काला जादू करने का तय किया। बच्ची के पिता और आंटी ने रात में बच्ची पर जादू-टोना किया।

मणिपुर में तनाव; पांच दिनों के लिए इंटरनेट सर्विस बंद, दो जिलों में धारा 144 लागू

इंफाल। मणिपुर के पूरे इलाके में इंटरनेट सर्विस पांच दिनों के लिए बंद कर दी गई है। स्पेशल सेक्रेटरी (होम) एच ज्ञान प्रकाश ने शनिकार को इस संबंध में ऑर्डर जारी किया। आदेश के मुताबिक, कुछ असामाजिक तत्व हेट स्पीच फैलाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसके जरिए लोगों को उकसाया जा रहा है।

यह आदेश विष्णुपुर जिले के पुलिस अधीक्षक की उस रिपोर्ट के बाद जारी हुआ, जिसमें शनिवार शाम को फुगकचाओ इखांग में 3-4 लोगों की ओर से एक वाहन को आग लगाने की जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि इस अपराध के चलते सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया है। विष्णुपुर और चुराचांदपुर जिले में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश शनिवार शाम से पूरे जिले में दो महीने तक लागू हुआ है।

एटीएसयूएम किस बात पर भड़का?

दरअसल, ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) ने शुक्रवार सुबह राज्य के राष्ट्रीय राजमार्गों पर अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी लगा दी, जिससे तनाव काफी बढ़ गया। छात्र संगठन मणिपुर (पहाड़ी क्षेत्र) स्वायत्त जिला परिषद विधेयक 2021 को विधानसभा में पेश करने की मांग कर रहा है। एटीएसयूएम का कहना है कि इससे घाटी इलाकों के विकास के लिए अधिक वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता मिलेगी। अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी के बाद मेइती लीपुन नाम के संगठन ने शुक्रवार दोपहर एटीएसयूएम के इम्फाल कार्यालय को बंद कर दिया। इसका दावा है कि नाकाबंदी राज्य के घाटी इलाके को टारगेट करके हुई है। राज्य की एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने मंगलवार को मणिपुर (पहाड़ी क्षेत्र) जिला परिषद 6वां और 7वां संशोधन बिल पेश किया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का दावा है कि यह उनकी मांगों को पूरा नहीं करता है।

पहली उड़ान में एसएलवी ने दो उपग्रहों प्रेक्षपित किया : इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्रप्रदेश)। भारत का पहला छोटा उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (एसएसएलवी) ने अलग होने के बाद दोनों उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया लेकिन प्राप्त कक्षा आशा के अनुरुप छोटी है जो इसे अस्थिर बनाती है।

इसरो ने इसके अपडेट बारे में कहा कि सभी चरणों का प्रदर्शन सामान्य था। दोनों उपग्रह प्रेक्षपित हो गए।

तीन चरणों वाली एसएलवी डी1, पहली विकासात्मक उड़ान , 135 किलोग्राम का पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (इओएस-02) और आठ किलो 8यू क्यूबेसेट आजादीसैट को लेकर पहले लांच पेड से 0918 बजे सात घंटे की उल्टी गिनती के बाद उड़ान भरी। दोनों उपग्रह प्रक्षेपण यान से अलग हो गए और कक्षा में प्रेक्षपित हो गए जब मिशन नियंत्रण केंद्र के वैज्ञानिकों ने प्रक्षेपण यान और उपग्रहों के साथ डेटा कनेक्टिविटी खो दी।

मीडिया सेंटर में रखे विशाल स्क्रीनों में उपग्रहों के प्रेक्षपण साफ दिखाई दे रहे थे। बाद में इसरो के अध्यक्ष डॉ. सोमनाथ ने मिशन कंट्रोल सेंटर से एक संक्षिप्त संबोधन में कहा कि एसएसएलवी की पहली उड़ान पूरी हो गई है। सभी चरणों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया। टर्मिनल चरण के दौरान डेटा हानि देखी गई है। इसका विश्लेषण किया जा रहा है और जल्द ही अपडेट किया जाएगा।

अपडेट में इसरो ने कहा कि एसएसएलवी ने अलग होने के बाद दोनों उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया, लेकिन हासिल की गई कक्षा अपेक्षा से कम थी, जो इसे अस्थिर बनाती है। देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को इन पेलोड के निर्माण के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया था। स्पेस किड्ज इंडिया द्वारा विकसित ग्राउंड सिस्टम का उपयोग इस उपग्रह से डेटा प्राप्त करने के लिए किया जाएगा।

इसे सरकारी स्कूलों की 750 छात्राओं द्वारा बनाया गया। स्पेस किंड्ज इंडिया के अनुसार इस परियोजना के लिए पूरे भारत के 75 सरकारी स्कूलों में से प्रत्येक में 10 छात्राओं का चयन किया गया था। चयनित छात्र कक्षा आठ से 12 तक के थे।

खेलों से प्रतिभाओं को मिलता है जौहर दिखाने का मौका : सिंह

सिरसा। हरियाणा के बिजली, अक्षय ऊर्जा एवं जेल मंत्री रणजीत सिंह ने शनिवार को गांव चौटाला में चौटाला प्रीमियर लीग (सीपीएल) टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।पब्लिक रिलेशन हेल्प फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित की जा रही चौटाला प्रीमियर लीग (सीपीएल) टूर्नामेंट में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान राज्य के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खेल प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों के 120 खिलाड़ी शामिल हैं तथा कुल 15 मैच खेले जाएंगे। यह प्रतियोगिता नौ अगस्त तक चलेगी। सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश के ग्रामीण आंचल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और इस प्रकार के आयोजनों से बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आती है। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से यह स्पष्ट है कि गांव के बच्चे सही दिशा में बढ रहे हैं।

हिमाचल में लंपी वायरस बना खतरा, कई गायों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पशुओं को मौत की नींद सुलाने वाली 'लंपी' वायरस देश भर में पांव पसारने लगी है। इस बीमारी से देश भर सहित शिमला में हड़कंप मच गया है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा समेत अन्य राज्यों में दहशत मचाने के बाद अब इसका संक्रमण हिमाचल में भी फैल रहा है। प्रदेश की राजधानी शिमला से सटे आनंदपुर और बड़ा गाँव व पंथाघाटी क्षेत्र में इससे दर्जन गायों की मौत हो गई है। वहीं कई पशु संक्रमित हो चुके हैं और 50 से अधिक पशुओं की मौत भी हो चुकी है।

'लंपी' वायरस एक तरह का त्वचा रोग है। जिसका मच्छरों, मक्खियों, जुओं आदि की वजह से फैलाने का खतरा माना जाता है। मवेशियों में एक दूसरे के संपर्क में आने ये बीमारी जानवरों में फैल सकती है। ये बीमारी जानलेवा हैं। यही वजह है की इससे जानवर की मौत हो रही है। अभी तक ये बीमारी दुधारू गायों को मौत की नींद सुला रही है।

हिमाचल विधानसभा का मानसून सत्र 10 अगस्त से

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 10 से 13 अगस्त तक चलेगा।

यह जानकारी विधानसभा के सचिव यशपाल शर्मा ने रविवार को यहां दी। उन्होंने बताया कि इस विधानसभा सत्र के लिए विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों की ओर से 367 प्रश्न विधानसभा सचिवालय पहुंचे हैं। इनमें अधिकतर प्रश्न खस्ताहाल सड़कें, स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, बेरोजगारी, महंगाई से संबंधित हैं। वहीं, विपक्षी विधायकों के अलावा सत्ता पक्ष के विधायकों की तरफ से भी इस बार तीखे सवाल लगाए गए हैं। कुल 367 प्रश्नों में 238 तारांकित और 129 अतारांकित प्रश्न हैं। नियम 130 के तहत चार सूचनाएं और नियम 101 में एक गैर सरकारी सदस्य संकल्प का विधानसभा सचिवालय को नोटिस मिला है। इसके इलावा चार बिलों का लेकर अंतिम रूप नहीं दिया गया है। सोमवार को सर्कुलेशन राज्य वित्त बिल, भू-राजस्व अधिनियम की धारा-118, विधायक आयकर संशोधन बिल और शहरी विकास विभाग कर बिल को स्वीकृति प्रदान की जाएगी. चारों बिल प्रकाशित होंगे और विधानसभा में संशोधन के लिए पेश होंगे। विधायक आयकर बिल को लेकर सरकार पहले ही अध्यादेश लाकर पारित कर चुकी है। इसके अतिरिक्त शेष संशोधन बिलों को मंत्रिमंडल में चर्चा के लिए नहीं रखा जा सका है। जयराम ठाकुर सरकार का यह आखिरी विधानसभा सत्र रहेगा।

विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सत्र के समाप्त होने के बाद मंत्रिमंडल की बैठक होगी। बैठक में विधानसभा सत्र के दौरान लाए जाने वाले बिलों को स्वीकृति प्रदान की जाएगी. अभी तक आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नीति निर्धारण संबंधी मंत्रिमंडलीय उप समिति की सिफारिशों पर चर्चा होनी है।

हिमाचल मानसून सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं, क्योंकि इसी साल विधानसभा चुनाव हैं। इस सत्र में विपक्षी पार्टी कांग्रेस आक्रामक मुद्रा में नजर आएगी, जबकि स्वाभाविक रूप से सत्तारूढ़ भाजपा भी विपक्ष के साथ हमलावर रुख अपनाएगी। भाजपा जहां सत्ता में बने रहने को संघर्ष कर रही है, वहीं कांग्रेस भी सरकार बनाने की इच्छा के साथ आक्रामकता दिखा रही है।

लंपी स्किन बीमारी से निपटने को लेकर केंद्र सरकार संवेदनशील : चौधरी

जोधपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने गौवंश में फैल रही लम्पी स्किन बीमारी की रोकथाम एवं गायों के बचाव के लिए अधिकारियों के साथ आज जोधपुर में बैठक की।

बैठक के बाद श्री चौधरी ने बताया कि केंद्र सरकार राज्य में किसी भी आपदा से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए राज्यों को स्टेट डिजास्टर रेस्पोंस फंड (एसडीआरएफ) में अपने 75 प्रतिशत हिस्से के रूप में मदद करती है। राजस्थान सरकार आपदा की रिपोर्ट तैयार करें एवं उनकी क्षतिपूर्ति के लिए इस फंड का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अगर यह फंड कम रहता है तो राज्य सरकार नेशनल डिजास्टर रेस्पोंस फंड (एनडीआरएफ) में से राशि आवंटित करने के लिए प्रस्ताव भेजे, केंद्र सरकार आमजन व किसान हित में राज्य सरकार की आगे भी मदद करेगी।

श्री चौधरी ने कहा कि गाय हमारी आस्था का विषय है एवं हम सभी के लिए पूज्य है। गाय का हमारे भौतिक व आध्यात्मिक जीवन में विशेष महत्व है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार गायों में फैली बीमारी के रोकथाम को लेकर संवेदनशील है।

विभिन्न स्तरों पर बैठकें आयोजित कर इस रोग से निजात पाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। केन्द्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने भी शनिवार को जयपुर में इस मुद्दे पर श्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं राज्य के पशुपालन मंत्री तथा अधिकारियों के साथ बैठक ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चौधरी ने कहा कि गोवंश में लंपी स्किन बीमारी के बारे में किसानों और पशुपालकों की ओर से जानकारी मिलते ही सर्वप्रथम मैंने आईसीएआर के अंतर्गत आने वाले पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के पशु वैज्ञानिकों की टीम को दिल्ली से इस बीमारी के सर्वे एवं अनुसंधान को लेकर पश्चिमी राजस्थान में भेजा था, इस टीम ने अपने स्तर पर पशुपालकों के काफी मदद भी की तथा इस बीमारी के बारे में विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध करवाई है।

अनाज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ : भूपेश

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को कहा कि उनका प्रदेश अनाज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर है तथा राज्य में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना और मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना लागू करने के साथ ही छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन का गठन किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज यहां नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की सातवीं बैठक में श्री बघेल ने बैठक से संबन्धित एजेंडा बिन्दुओं के अतिरिक्त राज्यहित से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में नीति आयोग ने छत्तीसगढ़ के जिलों के बेहतर प्रदर्शन की सराहना की है, लेकिन राज्य में संसाधनों की समस्याएँ अभी भी हैं और इनका समाधान किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण एवं दलहल, तिलहन की उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए नवीन विकसित फसल क़िस्मों के निशुल्क बीज मिनी किट एवं ब्रीडर सीड बड़े पैमाने पर कृषि अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य में गोधन न्याय योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि, गोबर से तैयार हो रहे वर्मी कम्पोस्ट खेतों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है तथा यह किसानों के हित में बेहतर योजना है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अँग्रेजी माध्यम स्कूल की स्थापना सहित अच्छी गुणवत्ता की अधोसंरचना, उपकरण, शैक्षिक तथा पाठ्यसहगामी गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन पर चर्चा करते हुए श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने लगातार तीन वर्षों से राज्य स्वच्छ सर्वेक्षण में अव्वल स्थान हासिल किया है।

पत्नी का 35 लाख का बीमा कराया, फिर हत्या कराई

राजगढ़ (भोपाल)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ में कर्ज के जाल से बाहर निकलने के लिए पति ने खतरनाक साजिश रची। उसने पहले पत्नी का बीमा करवाया, फिर 5 लाख की सुपारी देकर बदमाशों से उसकी हत्या करा दी। इससे पहले कि आरोपी बीमा की रकम हासिल कर पाता, पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

राजगढ़ के एडिशनल स्क्मनकामना प्रसाद ने बताया कि राजगढ़ के कुरावर जोड़ में 26 जून को पूजा मीणा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच में पता चला है कि साजिश रचने वाला उसका पति बद्रीप्रसाद मीणा है। उसने न केवल शातिराना अंदाज में पूजा की हत्या करवाई, बल्कि मौसेरे भाइयों को इस मामले में फंसाने की भी कोशिश की।

आरोपी पर 40 से 50 लाख का कर्ज है

बद्रीप्रसाद पर 40 से 50 लाख रुपए का कर्ज था। उसने अपनी पत्नी पूजा का 35 लाख रुपए का बीमा कराया। इसके बाद बीमा की राशि हासिल करने के लिए पत्नी की हत्या की साजिश रची। हत्या के लिए गोलू मीणा, शाकिर शाह और हुनरपाल सिंह को 5 लाख रुपए में पत्नी की सुपारी दे दी। तीनों ने गोली मारकर पूजा की हत्या कर दी।

यूट्यूब पर बीमा रकम पाने के तरीके खोजे

आरोपी ने बीमा की रकम जल्द पाने के तरीके खोजने के लिए गूगल और यूट्यूब पर वीडियो सर्च किए थे। वह जानना चाहता था कि किन हालातों में पैसा जल्दी मिल जाता है। खास बात ये है कि सुपारी के 5 लाख रुपए का इंतजाम भी आरोपी ने उधार लेकर ही किया था। पुलिस ने बद्रीप्रसाद और हुनरपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गोलू और शाकिर फरार हैं। ये दोनों हिस्ट्रीशीटर हैं।

शार्ट न्यूज

आठ सालों से बारिश दिल्ली वालों के लिए मुसिबतों का पहाड़ बनी हुई है-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि थोड़ी देर की बारिश में ही दिल्ली के लोग सड़कों पर जलजमाव के कारण घंटों ट्रैफिक में फंसे रहते हैं क्योंकि अरविंद केजरीवाल नालों की सफाई का दावा तो करते हैं लेकिन सफाई की जगह भ्रष्टाचार करते हैं। यह सिलसिला पिछले आठ वर्षों से चल रहा है। दिल्ली की सड़कों पर कारें रेंगती हुई नज़र आने लगती है। पिछले तीन से चार दिनों में रुक-रुक कर होने वाली बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में जलजमाव होने पर श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि अभी तो सिर्फ थोड़ी बारिश के कारण दिल्ली की स्थिति यह है और अगर तेज बारिश आ जाती है तब आश्चर्यजनक नहीं होगा कि दिल्ली में नाव चलती भी देखी जाए। श्री गुप्ता ने केजरीवाल सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि दिल्ली के नालों से गाद न निकालने के कारण थोड़ी भी बारिश में जलजमाव होना शुरु हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब भी केजरीवाल के कामों को धरातल पर परखने की बारी आती है तो वहां केजरीवाल हमेशा फेल होते हुए दिखाई देते हैं। आज हुई बारिश के बाद कई मार्गों के महत्वपूर्ण चौराहों पर ट्रैफिक जाम में लोग घंटों फंसे रहे। पानी सड़कों पर होने कारण कारें रेंगती हुई नज़र आ रही है।

चाइनीज मांझे के विरुद्ध अभियान की शुरुवात

नई दिल्ली। साल की तरह इस साल भी योगेंद्र कुमार मानद पशु कल्याण अधिकारीAWBI एवं हैड वार्डर तिहाड जेल के नेतृत्व में चाइनीज माँझे के विरुद्ध अभियान की शुरुवात GBSS टैगोर गार्डन स्कूल से गई , बच्चों को जागरूक करने के लिए चाइनीज माँझे के दुष्प्रभाव विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया , इस अवसर पर योगेंद्र कुमार ने बच्चों बताया कि हर साल लगभग 1000 पक्षियों की जान इस चाइनीज के कारण चली जाती और सैकड़ों लोग भी घायल हो जाते है , पिछले पांच साल में 12 लोगों ने अपनी जान गवाई , ओर योगेंद्र ने 1200 सौ बच्चों को चाइनीज मांझा इस्तेमाल ना करने के लिए शपथ भी दिलवाई , प्रधानाचार्य श्री पवन कुमार ने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि चाइनीज माँझे का इस्तेमाल ना करे , ओर कोई भी इसका इस्तेमाल करे तो उसे भी इस्तेमाल ना करने के लिए प्रेरित करे , इस अवसर में श्री बी के पांडे , श्री इंदर सोनी मानद पशु कल्याण अधिकारीAWBI तथा अनिल एनिमल केअर टेकर ने भी बच्चो को चाइनीज मांझा इस्तेमाल ना करने की अपील की ।

थाना फेस टु पुलिस ने चार अन्तर्राज्यीय शातिर मोटरसाइकिल चोरो को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की दस मोटरसाइकिल बरामद

नोयडा। थाना फेस टु पुलिस ने चैकिंग के दौरान गेझा बूथ के पास से चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ अभियुक्त कर्ण पुत्र दीपक निवासी मौहल्ला पानी घाट थाना वृन्दावन जिला मथुरा मूल पता गांव हरनौल थाना सुरीर जिला मथुरा, सलमान पुत्र फैय्याज निवासी ग्राम खायरा थाना सुरीर जिला मथुरा, अवनेश उर्फ अमित पुत्र बब्लू निवासी ग्राम मुरारी नगला थाना बन्ना देवी जिला अलीगढ, पुष्पेन्द्र उर्फ भूरा पुत्र वीरपाल निवासी ग्राम दमगढी थाना गौडा जिला अलीगढ को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने कुल 10 चोरी की मोटरसाइकिले भिन्न भिन्न कम्पनी, पाँच अलग अलग चोरी की मोटरसाइकिलो के पार्ट्स और मोटरसाइकिलो को चोरी करने व खोलने के औजार बरामद किये हैं।अभियुक्तगण शातिर किस्म के वाहन चोर है। जो हरियाणा, दिल्ली/एनसीआर व उत्तरप्रदेश के विभिन्न जनपदो में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है। तथा चोरी के वाहनो को बेचकर अवैध धन अर्जित करते है। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मॉर्निंग वॉक करने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों से चैन लूट की घटनाओं को अंजाम देना वाला लुटेरा मुठभेड़ के उपरांत गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने चेकिंग के दौरान सदरपुर चौकी क्षेत्र में जंगल के पास हुई मुठभेड़ के उपरांत एक लुटेरे बब्बू पुत्र इकराम निवासी दिल्ली हाल पता गाजियाबाद को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में उपरोक्त अभियुक्त पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक चोरी की मोटरसाइकिल और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय पाँच कारतूस जिन्दा व एक कारतूस खोका बरामद किया है। उपरोक्त बदमाश के विरुद्ध दिल्ली में बारह, गौतमबुद्धनगर में तीन आपराधिक मुकदमें पंजीकृत हैं। उक्त बदमाश मॉर्निंग वॉक करने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों से हाल चाल पूछने के बहाने चैन छीनने की घटनाओं को अंजाम देता था। इसके गैंग में दो अन्य साथी भी हैं जिनमे से एक जेल में है और एक फरार है। गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का लुटेरा है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल, किसानों के मसीहा माननीय श्री जगदीप धनखड़ जी को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति बने जाने पर उन्हें पगड़ी पहनाकर कर सम्मानित करते हुए मुंबई होटल ताज 26/11 हमले के हीरो एनएसजी कमांडो दिनेश कुमार हुड्डा जी (गोच्छी)।

उपाध्यक्ष-पालिका परिषद ने तिरंगा साइकिल रैली में भाग लिया

उपाध्यक्ष - पालिका परिषद ने उपराज्यपाल -दिल्ली के तिलक मार्ग पर फुटपाथ रखरखाव कार्य का उद्घाटन में भाग लिया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष - नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने माननीय उपराज्यपाल, श्री विनय कुमार सक्सेना द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई तिरंगा साइकल रैली जिसका आयोजन नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए तिलक मार्ग से खान मार्किट तक किया गया में भाग लिया ।

सतीश उपाध्याय ने इस तिरंगा साइकिल रैली का नेतृत्व करते हुए 200 से अधिक साइकिल चालकों के साथ तिलक मार्ग से खान मार्केट तक इंडिया गेट, शाहजहां रोड, पृथ्वीराज रोड और राजेश पायलट मार्ग के रास्ते को पूरी तरह कवर किया।

साइकिल रैली का समापन खान मार्केट में साइकिल चालकों द्वारा राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ। इस समापन अवसर पर एनडीएमसी के अध्यक्ष - श्री अश्विनी कुमार ने समापन बिंदु खान मार्केट में उपाध्यक्ष तथा सभी साइकिल चालकों, बाजार में आये ग्राहकों और मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर खान मार्केट एसोसिएशन के श्री संजीव मेहरा ने आगंतुकों को तिरंगा कलाई बैंड वितरित किए ।

इस अवसर पर लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाने और जनता के बीच भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए खान मार्किट बाजार को तिरंगा थीम से सजाया गया था।

उपाध्याय ने बताया कि एनडीएमसी आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान को बढ़ावा देने के लिए साइकिल रैली, सांस्कृतिक गतिविधियों, पार्कों में सेल्फी पॉइंट, अनसंग हीरो की कहानी प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रही है। एनडीएमसी और नवयुग स्कूल के प्राथमिक कक्षा के छात्रों द्वारा स्वानिधि, प्रभात फेरी, विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टर के माध्यम से एलईडी डिजिटल स्क्रीन, पीटीयू, बीक्यूएस पर प्रदर्शित प्रेरक संदेश आदि भी कर रही है।

उपाध्याय ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का विजन देश को एक करना और नागरिकों के दिलों में देशभक्ति की भावना भरकर देश के स्वतंत्रता संग्राम को याद करना है। हर घर तिरंगा अभियान की परिकल्पना है कि देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज घर पर लाना चाहिए और उसे फहराना चाहिए।

उपाध्याय ने कहा कि एनडीएमसी ने कार्यक्रम वन रोड-वन वीक की शुरुआत की है, जिसमें माननीय उपराज्यपाल-दिल्ली ने आज तिलक मार्ग, नई दिल्ली में फुटपाथ का निरीक्षण और मरम्मत कार्य शुरू किया । माननीय उपराज्यपाल-दिल्ली ने निर्देश दिया कि एनडीएमसी क्षेत्र में 31 अगस्त तक इस अभियान में 15 सड़कों की मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

नेशनल अकाली दल ने फ्री में तिरंगे झंडे बांटकर मनाया अमृत महोत्सव

देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष क्रांतिकारियों को सरकार शहीद का दर्जा दे : परमजीत सिंह पम्मा

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान दिन प्रतिदिन जोर पकड़ता जा रहा है इसी कड़ी में नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने जंतर मंतर पर फ्री में तिरंगे झंडे बांट कर इस अभियान की शुरुआत की और तिरंगा मार्च निकालकर केंद्र सरकार व माननीय प्रधानमंत्री जी से अपील करते हुए कहा देश की आजादी 75 वर्ष अमृत महोत्सव के उपलक्ष पर लिए देश की आजादी के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले क्रांतिकारियों चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, उधम सिंह, अशफाकुल्लाह खान, बटुकेश्वर दत्त, खुदीराम बोस, दुर्गावती देवी (दुर्गा भाबी), जैसे अनेक क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देने की घोषणा करें जिससे इस अमृत महोत्सव में और चार चांद लग जाए।

नेशनल अकाली दल के के नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता मे दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनजीत सिंह, धर्मवीर आनंद, महासचिव बिंदिया मल्होत्रा, सतपाल सिंह मंगा, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष कुलदीप सिंह मारवाह सहित अनेक एन ए डी. के सदस्यों ने इंकलाब जिंदाबाद, भारत माता की जय, तिरंगा हमारी शान, क्रांतिकारियों की शहादत से यह मिला सम्मान है क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा दो नारे लगाकर जंतर मंतर का पूरा माहौल देश भक्ति में लीन कर दिया।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने बताया नेशनल अकाली दल के सदस्य घर-घर जाकर तिरंगे लगाएंगे और देशभक्ति के विभिन्न कार्यक्रम करेंगे पम्मा ने कहा है कि हमारा फर्ज बनता है जिन्होंने देश के लिए कुर्बानी दी है उनको हमेशा याद रखें इन्हें शहीद का दर्जे की घोषणा की जाए और स्कूलों में भी बच्चों को इनका इतिहास पढ़ाया जाए जिस से आने वाले समय में हमारे बच्चों में भी देश भक्ति की भावना जागे.

इस अवसर पर बिंदिया मल्होत्रा व सतपाल सिंह मंगा ने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द देश की आजादी में शहीद हुए क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देना चाहिए और उनके परिवार को हर तरह की सरकारी सहायता मिलनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक क्षण है जिसे हर भारतीय को बड़े उत्साह के साथ मनाना चाहिए।

नेशनल अकाली दल महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरू सहगल, उपाध्यक्ष सरबजीत कौर, महासचिव मधु शर्मा ने बताया महिला विंग घर घर जाकर झंडे लगाएगी और उन्होंने कहा कि महिलाओं का आजादी में काफी योगदान रहा है।

इस अवसर दलजीत सिंह चग्गर, आईपीएस बेदी, जसबीर सिंह सरना, बलविंदर सिंह सरना हाजी समीर, धर्म देवी, सोना बत्रा, कमलजीत कौर, रुपाली सोनी, विशाल कश्यप, गगन खन्ना, तरुण सोनी सहित अनेक सदस्यों ने देशभक्ति के गीत गाकर जश्न मनाया।

सांसद डॉ महेश शर्मा ने किया निशुल्क कोविड प्रिकॉशन डोज महाअभियान का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी सुहास एलवाई के नेतृत्व में जनपद में निशुल्क कोविड प्रिकॉशन डोज महा अभियान को सफल बनाने एवं आम नागरिकों को प्रिकॉशन डोज लगाने के उद्देश्य से जनपद का स्वास्थ्य विभाग निरंतर स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में रविवार को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में जिला संयुक्त चिकित्सालय सेक्टर 30 नोएडा में जनपद के गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ महेश शर्मा एवं नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता के द्वारा निशुल्क कोविड प्रिकॉशन डोज महा अभियान कोविड वैक्सीनेशन बूथ सेंटर का विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ पवन कुमार अरुण, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ ललित, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, चीफ फार्मेसिस्ट आलोक पांडे एवं जिला चिकित्सालय का स्टाफ उपस्थित रहा। गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ महेश शर्मा ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए जनपद के आम नागरिकों का आह्वान किया कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के अथक प्रयास से सभी देशवासियों को कोविड वैक्सीन लगायी जा चुकी है। सिर्फ कोविड वैक्सीन ही कोरोना महामारी को रोकने का एक तरीका है बूस्टर डोज से आम आदमी की प्रतिरोधक क्षमता कोरोना संक्रमण से बचाव में लाभदायक है। यदि आप भी 18 वर्ष से ऊपर हैं और प्रिकॉशन डोज के पात्र है तो आज ही कोविड पोर्टल पर अपना स्लॉट बुक करायें और प्रिकॉशन डोज लगवायें साथ ही अपने रिश्तेदारों एवं सगे संबंधियों को डोज लगवाने के लिए प्रेरित करें।

ईएमसीटी द्वारा ग्रीनार्क सोसाइटी में किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

नोयडा। रक्त दान महादान यही एक ऐसा दान है जो न कितने लोगों की जिंदगी बचा सकती है द्य इसी को ध्यान में रखते हुए रविवार को ईएमसीटी (एथोमार्ट चेरिटबल ट्रस्ट) और डीएस ब्लड बैंक द्वारा ग्रीनार्क सोसाइटी में एक रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया गया जिसमे सभी ग्रीनार्च निवासियों ने खूब बढ़ चढ़ कर रक्तदान की मुहिम में अपनी भागीदारी दी। रविवार को केवल पुरुष ही नही बल्कि महिलाओं ने भी अपनी बराबर की हिस्सेदारी दर्ज़ की गई जिसमें क़रीब 50 लोगो ने रक्त दान किया।ईएमसीटी की संस्थापक रश्मि पाण्डेय ने बताया कि रक्तदान केवल दूसरों का जीवन ही नहीं बचाता परंतु जो रक्तदाता है उसे भी इसके बहुत फायदे होते है। जैसे नियमित रक्तदान करने से आप का हृदय स्वस्थ रहता है, हार्ट अटैक का खतरा होगा कम हो जाता है. कैंसर होने का जोखिम कम होता है। लिवर से जुड़ी समस्याओं से भी राहत मिलती है और ब्लड डोनेट करने से वजन भी कंट्रोल में रहता है। इसीलिए हमे नियमित रूप से रक्तदान करते रहना चाहिए। इस अवसर पर प्रत्येक रक्तदाता को डीएस एण्ड ईएमसीटी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक शील्ड, ब्लड डोनेशन कार्ड और सर्टिफिकेट्स प्रदान किए गए। रविवार को इस अवसर पर सिम्मी, सरिता सिंह, अनामिका सारस्वत, अंजलि, अशिमा, ऐश्वर्या, प्रियंका, निधि शर्मा, नेहा इत्यादि सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

टीचर्स फोरम ने डीयू कुलपति से कॉलेजों में स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया के समय संबंधित विषय के ऑब्जर्वर भेजे जाने की मांग की

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय के पक्ष में खड़े होने वाला शिक्षक संगठन फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फ़ॉर सोशल जस्टिस ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश कुमार सिंह को पत्र लिखकर मांग की है कि कॉलेजों में चल रही शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया के समय जिस विभाग में साक्षात्कार हो रहे हैं उसी से संबंधित ऑब्जर्वर भेजे जाने की मांग की है। उनका कहना है कि किसी भी विषय में दूसरे विषय का ऑब्जर्वर होने के कारण वह सलेक्शन कमेटी के समक्ष अपनी बात नहीं रख पाता है और सलेक्शन कमेटी भी उसे महत्व इसीलिए नहीं देती है कि ऑब्जर्वर संबंधित विषय की जानकारी नहीं रखता।

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को लिखें पत्र में बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में लंबे समय के बाद शिक्षकों के स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हुई है । उन्होंने बताया है कि एक समय ऐसा था जब दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागों में एससी/एसटी व ओबीसी कोटे के शिक्षक नहीं थे जिसके कारण कॉलेजों में होने वाली नियुक्तियों के समय जो विभागों में शिक्षक उपलब्ध थे उन्हें ही ऑब्जर्वर बनाकर भेजा जाता था। उन ऑब्जर्वर के निर्णयों को प्रिंसिपल, कॉलेज प्रबंध समिति के चेयरमैन व सलेक्शन कमेटी के सदस्य मानते थे लेकिन अब अधिकांश ऑब्जर्वर विषय से संबंधित न होने के कारण अपना पक्ष नहीं रख पाते हैं। उनके अनुसार यदि हिंदी , अंग्रेजी , राजनीति विज्ञान , इतिहास , समाज शास्त्र , रसायन विज्ञान , भौतिकी , अर्थशास्त्र , गणित या वाणिज्य विषय का साक्षात्कार हो रहा है तो उसमें एससी/एसटी व ओबीसी से संबंधित विभाग से विषय का ऑब्जर्वर भेजा जाना चाहिए ताकि वह सेलेक्शन कमेटी के द्वारा इंटरव्यू के समय पूछे जा रहे प्रश्नों पर ध्यान रखें व सेलेक्शन के समय सही निर्णय लेते हुए अभ्यर्थियों के साथ न्याय कर सके ।

डॉ. सुमन ने यह भी बताया है कि उनके पास कई कॉलेजों के एडहॉक टीचर्स ने आकर बताया है कि वे जब कॉलेजों में स्थायी पदों पर साक्षात्कार देने जाते है तो सेलेक्शन कमेटी में बैठे एससी/एसटी व ओबीसी का ऑब्जर्वर किसी तरह के सवाल नहीं पूछते और न ही सेलेक्शन कमेटी के समक्ष अपना पक्ष रखते हैं। उन्होंने पुन: कुलपति से मांग की है कि कॉलेजों में साक्षात्कार के समय संबंधित विषय का ही ऑब्जर्वर भेजा जाए ताकि वह अपना पक्ष रख सके व नियुक्ति प्रक्रिया का हिस्सा बनकर अपनी बात को जोरदार तरीके से कह सकें ।

रामलीला में शामिल होंगे केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दानवे

मंत्री ने महोत्सव में शामिल होने का दिया आश्वासन : डॉ. वेद टंडन

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, कोयला एवं खदान राज्य मंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे आगामी 27 सितंबर से गंगा तट ऋषिकेश में होने वाली अंतरराष्ट्रीय रामलीला में शामिल होंगे। रविवार को दिल्ली स्थित केंद्रीय मंत्री के निवास स्थान पर उनको निमंत्रण देने के बाद अंतरराष्ट्रीय रामलीला महोत्सव समिति के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वेद टंडन ने बताया कि उन्होंने निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए रामलीला में शामिल होने का आश्वासन दिया। डॉ. वेद टंडन ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री दानवे को मुलाकात के दौरान बताया कि परमार्थ निकेतन आश्रम के अधिष्ठाता पूज्य स्वामी चिदानंद महाराज के संरक्षण और राष्ट्र-मंदिर के संस्थापक पूज्य अजय भाई के सानिध्य में होने वाली इस रामलीला में केंद्रीय मंत्री, सांसद, देशभर के साधु-संत व देश-विदेश के गणमान्य शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि रामलीला का प्रतिदिन शुभारम्भ देशभर के प्रमुख संतों के आशीर्वचन, हर दिन विशिष्ट अंदाज में गणेश वंदना और हनुमान चालीसा पर नृत्य नाटिका से होगा। रावण दहन के बाद भरत मिलाप गंगा तट पर भव्य दीपोत्सव होगा। इसका विभिन्न टीवी चैनलों के द्वारा सीधा प्रसारण देश-विदेश के राम भक्तों को जोड़ेगा। उधर, इस अवसर पर नांदेड़ से सांसद प्रताप राव, रामलीला महोत्सव समिति के वाइस चेयरमैन शक्ति बक्शी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण शर्मा, सुमित गुप्ता, रमन राजा खन्ना, सेक्रेटरी विश्व मोहन शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र वशिष्ठ आदि गणमान्य मौजूद रहे। डॉ. वेद टंडन ने बताया कि कोरोना संकट के कारण पिछले दो वर्षों से कुछ फिकी रही रामलीला की चमक इस बार कुछ खास रहने वाली है।

पुलिस ने एक चोर को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी किये गये लोहे के पांच पाइप बरामद

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा पुलिस ने 6/7 अगस्त 2022 को एक चोर अभियुक्त नाजिम पुत्र निजामुद्दीन निवासी मेहंदीपुर थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर को यमुना एक्सप्रेसवे सर्विस रोड रौनिजा कट के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने लोहे के चार इंची बोर के पाँच पाइप बरामद किए हैं।अभियुक्त के साथी सह अभियुक्त सलमान पुत्र फज्जू, इमरान पुत्र तिलिया, गुल्ली पुत्र इम्तियाज, कांति पुत्र शकील निवासीगण मेहंदीपुर थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर दोनों मोटरसाइकिल सहित भाग गये। गौरतलब है कि वादी अशोक कुमार पुत्र श्री भागमल सीनियर सिक्योरिटी मैनेजर गौर यमुना सिटी सोसाइटी ग्रेटर नोएडा नें अज्ञात चोरों द्वारा गौर यमुना सिटी सोसाइटी ग्रेटर नोएडा से लोहे के चार इंची बोर के पाँच पाइप 4 अगस्त 2022 की रात्रि मे चोरी करने के सम्बन्ध में अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

आरोपी को पकड़ने पहुंची पुलिस से परिवार ने की मारपीट

गुरुग्राम। गुरुग्राम में एक आरोपी के परिवार के सदस्यों ने भोंडसी में छापेमारी करने के लिए पहुंची पुलिस टीम के साथ कथित तौर पर मारपीट की और उन्हें गालियां दी। पुलिस ने बताया कि हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी करीब दो महीने से गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली की आरोपी अपने घर पर है। ऐसे में तुरंत एक टीम बनाई गई जो उसके घर पहुंची। आरोपी की पहचान मोहित के रूप में हुई है, जिस पर हत्या के प्रयास का आरोप है। एएसआई सत्यवेंद्र सिंह ने शिकायत दर्ज कराई जिसमें उन्होंने कहा कि जब वह रिठोज गांव में आरोपी के घर पहुंचे तो उसके पिता संतराम, भाई पंकज और उसकी पत्नियां दरवाजे पर मौजूद थे।

नृत्यांगना गीता चंद्रन ने प्रस्तुत किया सिम्हिका: वन की पुत्री

परफॉरमेंस-डायलॉग में दिखी एक महिला, पत्नी एवं वन की पुत्री के रूप में परिस्थितियों की शिकार नायिका

नई दिल्ली। नृत्य महज कुछ भाव-भंगिमाओं के साथ की गई प्रस्तुति केवल नहीं होती है। नृत्य वह है जो अपनी लय और ताल के साथ परत-दर-परत एक पूरी कहानी को हमारे सामने प्रस्तुत कर दे। शनिवार की शाम इंडिया हैबिटेट सेंटर के स्टेन ऑडिटोरियम में पद्मश्री से सम्मानित नृत्यांगना गीता चंद्रन ने अपनी नवीनतम प्रस्तुति सिम्हिका: वन की पुत्री के माध्यम से नृत्य के उसी स्वरूप का प्रदर्शन किया।

सिम्हिका मूलत: एक काल्पनिक चरित्र है, जिसे कोट्टायम थंपुरन ने कथकली नृत्य के तहत थिएटर प्रस्तुति के लिए रचा है। मूल नाटक किमिरा वधम में कथकली नृतक सिम्हिका की कहानी को प्रस्तुत करते हैं, जिसका चित्रण मूलत: एक राक्षसी के रूप में होता है। नृत्यांगना गीता चंद्रन ने सिम्हिका को एक नया स्वरूप दिया है। उन्होंने भरतनाट्यम की तकनीक 'अनावरण' के माध्यम से इस नायिका के विचारों को परत-दर-परत सामने रखा। इसमें नायिका के विचार एवं द्वंद्व को सामने रखा गया।

गीता चंद्रन ने स्वयं को एक महिला, एक पत्नी और वन की पुत्री के रूप में प्रस्तुत किया, ऐसी नायिका, जो परिस्थितियों का शिकार है। इस प्रस्तुति में वन भी कभी सखी और राजदार बन जाता है, तो कभी साक्षी बन जाता है। वही पोषक भी है और वही विश्वासघाती भी। और कई बार सभी दर्शकों की तरह वन भी अन्याय एवं पितृ सत्तात्मकता का मूक दर्शक बनकर रह जाता है। 'रूपांतर' के माध्यम से सिम्हिका में आने वाला बदलाव हमें दिखाता है कि किस तरह से हम बस किसी के बाहरी स्वरूप को देखकर ही उसके बारे में धारणा बना लेते हैं।

सिम्हिका की कहानी त्रेता युग में महाभारत के काल में स्थापित है। पांडव वनवास के दौरान सिम्हिका के पति शार्दुल की हत्या कर देते हैं और सिम्हिका विधवा हो जाती है। उसका दर्द अंतत: प्रतिशोध में बदल जाता है। वह बदला लेने के लिए पांडवों की पत्नी द्रौपदी को छल से वन में ले आती है। वह द्रौपदी को मारना चाहती है, लेकिन यहां वह वन ही सिम्हिका से विश्वासघात कर देता है, जिसने उसे पाला है। द्रौपदी सहायता के लिए चिल्लाती हैं और उनके पति सहदेव वहां आकर निर्दयता के साथ सिम्हिका के शरीर को क्षत-विक्षत कर देते हैं।

नृत्यांगना गीता चंद्रन ने अपनी प्रस्तुति में इसी कहानी को दर्शाया। एक घंटे की इस प्रस्तुति के दौरान जुगल किशोर शर्मा और उनकी टीम ने वन जैसा वातावरण निर्मित किया, इसके लिए वृंदावन से फूल लाए गये, साथ ही इसकी खास बात यह थी कि इसे बनाने के लिए पारम्परिक पत्तल प्लेटों का बखूबी इस्तेमाल किया गया। गीता चंद्रन की इस प्रस्तुति को वोकलिस्ट के वेंकटेश्वरम और बालातचंदीरेन का साथ मिला, जबकि सिम्हिका के लिए वस्त्र संध्या रमन ने तैयार किए।

इस अवसर पर गीता चन्द्रन ने बताया, 'मेरा नया काम सिमहिका: वन की बेटी वनवासियों के सामने आने वाले मुद्दों, शहरी विस्तार के साथ उनके संघर्ष, उनकी भेद्यता और न्याय की उनकी खोज पर केंद्रित है।'उन्होंने कहा, 'मेरा दृढ़ विश्वास है कि कलाकारों को उस समाज और समय को प्रतिबिंबित करना चाहिए जिससे वे संबंधित हैं।

संपादकीय

मानसून के दौर मेंभी पेयजल संकट का आगाज

जल पृथ्वी पर मौजूद एक प्रकृतिप्रदत्तअनमोलसंसाधन है जो जीवन का आधार है। जल के बिनाचराचरजगतजीव मात्र का अस्तित्व संभव नहीं है। पृथ्वी का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, परन्तु इसमें से कुल 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है, मात्र 3 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य है।किन्तु इसमें भी 2 प्रतिशत पानी बर्फ एवं ग्लेशियर के रूप में है।इस प्रकार देखा जाए तो केवल 1 प्रतिशत पानी ही मानव याजीवके उपयोग हेतु उपलब्ध है।

क्या आप जानते हैं कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद आज भी देश की एक बड़ी आबादी के लिए स्वच्छ व स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित पेयजल आपूर्ति कर पाना महज एक सपना बन कर रह गया है। वह लोग जो गंगा जमुना के बीच के अथवाअन्यजल समृद्ध क्षेत्रों में रह रहे हैं वह जल की कमी को उस शिद्दत से नहीं समझ पाते हैं वनिस्पत उन लोगों के जो रोजाना की पेयजल की आपूर्ति के लिए भी भारी परेशानी से दो चार होने के लिए मजबूर हैं। हाल ही में संसद के मॉनसून सत्र में राज्यसभा में केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में ग्राउंड वाटर में जहरीली धातुओं की मात्रा तय मानक से ज्यादा पाई गई है। केंद्र सरकार ने अपने बयान में कहा है कि सिर्फ ग्रामीण ही नहीं बल्कि रिहायशी इलाकों में भी पानी प्रदूषित हो चुका है।इसमें फ्लोराइड, , आयरन, खारा पानी और भारी धातु मौजूद हैं। केंद्र सरकार की इस रिपोर्ट से साफ हो जाता है कि देश के 209 जिआर्सेनिकलों के वासिंदों को पीने के लिए स्वच्छ पानी अभी तक उपलब्ध नहीं है।देश की एक बड़ी आबादी द्वारा जो पानी इस्तेमाल किया जा रहा है उसमे भारी मात्रा में धातु व अन्य तत्व मौजूद हैं उन्हें फिल्टर किए बिना उपयोग करने से तरह तरह की बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। मानसून सत्र में जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों के मुताबिक, भारत में आज भी 80 फीसदी से ज्यादा आबादी को ग्राउंड वाटर से ही पानी मिलता है। लिहाजा ग्राउंड वाटर में खतरनाक धातुओं का मिलना इस बात का संकेत है कि पानी अब तकरीबन जहर बन चुका है और पीने लायक नहीं बचा है। इसमें ये भी कहा गया है कि भारत की आधी आबादी आज भी गांव में रहती है। ग्रामीण भारत के लोग आज भी पानी पीने के लिए हैंडपंप, कुआं और नदी का इस्तेमाल करते हैं। यहां पानी को साफ करने के लिए कोई उपकरण भी मौजूद नहीं है। लिहाजा, ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग जहरीला पानी पीने को मजबूर हैं। भारत समेत कई देशों में कमजोर मानसून के कारण जल संकट सेजूझनापड़ताहै। एक विशाल वभिन्न भौगोलिक स्थिति के कारण देश केस भी राज्यों में हर साल कुछ में अल्पवृष्टि तो कुछ राज्यों में अतिवृष्टि से दो चार होना पड़ता है। देश में लगभग एक-चौथाई जनसंख्या सूखे से प्रभावित रहतीहै जिससे हरसालकई इलाकों में लोगों को सूखे की स्थिति का सामना करना पड़ता है जबकि कुछ क्षेत्रों में भारी अतिवृष्टि हो जाती है वर्षा का असंतुलन लगातार बढ़ रहा है ऐसे में प्राकृतिक रूप से मिलने वाले जल संसाधन भी भरोसेमंद नहीं रह गए हैं।इस साल की हालात पर गौर करें तो पता चलता है कि अठारह राज्यो में तो जलाजल हो रहा है जबकि कुछ राज्यों में औसत से कम बारिश हो रही है यहां तक कि इस साल उत्तर प्रदेश में औसत से काफी कम बारिश हुई है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 20 से अधिक शहरों में कमजोर मानसून के कारण जल संकट की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई है। उपलब्धआंकड़ोंके अनुसारपिछले दो दशक में आबादी में कुल 40 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है जिसके कारण कई शहरों में जल संकट बढ़ गया है। सरकार ने बढ़ती आबादी को देखते हुए कई इलाकों में नलकूप की व्यवस्था की है। जिसके परिणामस्वरूप शहरों के कई नलकूपों में पानी की कमी आ गयी है। एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शहरी जल आपूर्ति का लगभग 48 फीसद पेयजल भूजल से आता है जिसमें पिछले कुछ वर्षों से भारी गिरावट आयी है। तमाम शहर कस्बों का ही नहीं जंगल खेती खलिहान के इलाको में भी भूजलसतर में बहुत तेजी से गिरावट आ रही है।

शिक्षित, आत्मनिर्भर नारी भारत का शक्तिशाली एवं उज्जवल भविष्य

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है । नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अत: नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई हैद्य वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित - प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है।

26 साल पुरानी घटना को फिर दोहराएगा चीन?

अभिनय आकाश

चीन ने सात जगहों से ताइवान की घेराबंदी की है। 25 साल बाद चीन की तरफ से इस तरह की वॉर एक्सरसाइज को अंजाम दिया गया है। इससे पहले 1996 में चीन ने ताइवान के पास इसी तरह की तैनाती की थी।

अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेंजेटिव की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा से चीन बौखलाया हुआ है। नैंसी की ताइवान यात्रा से अमेरिका और चीन के बीच तनाव अपने चरम पर है। ईस्टर्न थियेटर कमांड की वॉर ड्रिल से युद्ध जैसे माहौल बन गए हैं। ताइवान के पास चीन की लाइव फायर ड्रील की गई है। चीन ने सात जगहों से ताइवान की घेराबंदी की है। 25 साल बाद चीन की तरफ से इस तरह की वॉर एक्सरसाइज को अंजाम दिया गया है। इससे पहले 1996 में चीन ने ताइवान के पास इसी तरह की तैनाती की थी। लेकिन उसके ढाई दशक बाद इससे कही ज्यादा बड़ी और व्यापक चीन की वॉर एक्सरसाइज ताइवान के चारों तरफ देखने को मिल रही है। लाइव फायर ड्रील की समयसीमा 4 से 6 अगस्त तक की थी।

चीन की धमकियों के बावजूद जिस तरह से अमेरिकी संसद की स्पीकर नैन्सी पेलोसी पहुंची। उसके बाद से ही चीन बुरी तरह बौखलाया हुआ था। उसकी तरफ से लगातार ये कहा जा रहा था कि देखा जाएगा और जिसने भी संप्रभुता को चुनौती देने की कोशिश की है उसे बख्शा नहीं जाएगा। पेलोसी के ताइवान जाने के एक दिन बाद देश के तट में कम से कम 11 बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च की गईं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कई चीनी जहाजों और विमानों ने एक बार फिर ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर लिया है। सैन्य अभ्यास को अत्यधिक उत्तेजक बताते हुए ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जवाबी कार्रवाई में विमान और जहाजों को भेजा और भूमि आधारित मिसाइल सिस्टम की भी तैनाती की।

जापान ने दी चेतावनी

ओकिनावा द्वीप के पास मिसाइलें दागना चीन को पड़ सकता है। जापान ने ताइवान के पास चल रहे चीन के युद्धाभ्यास पर कड़ा ऐतराज जताया है। जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा ने इस क्षेत्र में चीन के सबसे बड़े लाइव-फायर अभ्यास की निंदा की है। उन्होंने चीन की बारूदी साजिश को क्षेत्रीय शांति और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। जापान का मानना है कि ताइवान के पास युद्धाभ्यास गंभीर समस्या बन सकता है। जानकारों का मानना है कि अगर चीन और ताइवान युद्ध नहीं हुआ तो जापान और उसके मित्र देश उसकी घेराबंदी करेंगे। बीते दिनों चीन की तरफ से सात बेलेस्टिक मिसाइलें दागी गईं जिसमें से पांच जापानी क्षेत्र में जाकर गिरी। जिसके बाद जापान ने चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि उसे ताइवान के पास अपने सैन्य अभ्यास को तत्काल रोक देना चाहिए। बता दें कि चीन जो नैसैनिक अभ्यास कर रहा है उसकी जद में कुछ दक्षिण पश्चिम जापान द्वीप भी आ रहे हैं। जापान के शाकीसीमा, योनागोनी, ईशीगाकी, मेयाकू द्वीप पर चीनी सैन्य अभ्यास का असर पड़ सकता है। योनागोनी और मेयाकू द्वीप ताइवान से केवल 110 किलोमीटर की दूरी पर हैं। ये ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के बेस हैं।

लाइव-फायर एक्सरसाइज क्या हैं?

ये मुख्य रूप से सैन्य कर्मियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले अभ्यास हैं, जिसमें गोला बारूद, रॉकेट और मिसाइलों को लाइव फायर कर उसकी ताकत जांची जाती है। सेनाएं जब भी एक्सरसाइज के दौरान लाइव गोला-बारूद को फायर करती है, तो उसे लाइव फायर ड्रिल का नाम दिया जाता है।

यह परीक्षण ऐसे क्षेत्र में किए जाते हैं, जहां कोई हताहत न हो सके। लाइव-फायर प्रशिक्षण के दौरान, सैनिकों को नकली युद्ध स्थितियों में रखा जाता है और उन्हें अपने हथियारों और उपकरणों (जैसे जहाज, विमान, टैंक और ड्रोन) का उपयोग करने का अवसर दिया जाता है। इस तरह के अभ्यास सैनिकों की युद्ध की तैयारी, इकाइयों के सामंजस्य को बनाए रखने और अपने हथियारों और उपकरणों का सही ढंग से उपयोग करने की क्षमता में विश्वास पैदा करने में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें वाहनों और हथियार प्रणालियों (जैसे अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल, विमान-रोधी हथियार) की प्रभावशीलता का परीक्षण भी शामिल है, ताकि हथियारों के पूरी तरह से चालू होने से पहले किसी भी खामियों को दूर किया जा सके। चीन की तरफ से किए जा रहे इस वॉर एक्सरसाइज दूसरा मकसद ताइवान और अमेरिका को चीन की नौसैनिक शक्ति का प्रदर्शन करना है।

क्या है इस ड्रील का उद्देश्य

ये ड्रिल रंगरूटों को अपने अपने हथियारों के आदी होने का अवसर प्रदान करता है। इससे वे जानते हैं कि इन बड़े-बड़े हथियारों को कैसे ऑपरेट किया जाता है। दूसरा यह कि ऐसे ड्रिल में सैनिक दुश्मन की जवाबी कार्रवाई की चिंता किए बगैर लाइव गोला-बारूद, रॉकेट और मिसाइलों को फायर कर सकते हैं। इससे सैनिक यह भी सीखते हैं कि वास्तव में बड़े हथियारों का इस्तेमाल कैसे और कब किया जाए और इसका प्रभाव क्या होता है। चीन ने यह भी जताया कि कि वह अमेरिकी नेताओं की ताइवान यात्रा को लेकर काफी संवेदनशील है।

26 साल पहले की याद हुई ताजा

साल 1996 में भी ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका आमने सामने आ गए थे। विडंबना ये है कि वो संकट भी एक विवादस्पद यात्रा से शुरू हुआ था। हालांकि उस वक्त ताइवान के नेता ही अमेरिका के दौरे पर गए थे। पूर्व राष्ट्रपति ली टेंग की अमेरिका यात्रा से चीन इस कदर बौखला गया था कि उसने ताइवान की सीमाओं की परवाह न करते हुए तुरंत ही युद्धभ्यास शुरू कर दिया था। द्वीप के एयर स्पेस और समुद्री रास्तों को भी कई घंटो तक के लिए बंद करना पड़ा था।

चीन ने दागीं थी मिसाइलें

ताइवान के तत्कालीन राष्ट्रपति की अमेरिका यात्रा और ताइवान को अलग देश के नाम से संबोधित किए जाने से नाराज ड्रैगन ने ताइवान के बेहद नजदीक ही मिसाइल परीक्षण शुरू कर दिया था। इसके साथ ही ताइवान के सीमावर्ती इलाके में 1 लाख सैनिकों की तैनाती कर दी गई थी। 18 अगस्त को चीन ने परमाणु हथियारों का परीक्षण भी किया था। इन परीक्षणों के दौरान चीन की कई मिसाइलें ताइवान के मिसाइलें काऊशुंग और कीलुंग के बंदरगाह शहरों से सिर्फ 25 मील की दूरी पर गिरीं।

हद तो तब हो गई जब 9 मार्च, 1996 को चीन की परमाणु हमला करने में सक्षम डोंग फेंग 15 बैलिस्टिक मिसाइल ने ताइवान के ऊपर से उड़ान भरते हुए उसके पूर्वी तट से 19 मील की दूरी पर लैंड किया।

उपराष्ट्रपति पद पर जगदीप धनखड़ की जीत बड़े राजनीतिक संदेश दे रही है

नीरज कुमार दुबे

जहां तक जगदीप धनखड़ के परिचय की बात है तो आपको बता दें कि धनखड़ मूल रूप से राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में अपनी मौजूदा भूमिका से पहले 71 वर्षीय जगदीप धनखड़ एक प्रसिद्ध वकील रहे हैं।

किसान पुत्र और प्रभावशाली जाट समुदाय से ताल्लुक रखने वाले एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ भारत के नये उपराष्ट्रपति निर्वाचित हो गये हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए कराये गये चुनाव में जगदीप धनखड़ ने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया। जगदीप धनखड़ वर्तमान उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू की जगह लेंगे। देखा जाये तो आंकड़े शुरू से ही पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के पक्ष में थे। एनडीए उम्मीदवार के नाते उन्हें भाजपा और जनता दल युनाइटेड के सांसदों का तो समर्थन प्राप्त था ही साथ ही वाईएसआर कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, बीजू जनता दल, अन्नाद्रमुक और शिवसेना ने भी समर्थन दिया था। शुरू से ही अनुमान लगाया जा रहा था कि धनखड़ को 500 से ज्यादा मत हासिल होंगे। खास तौर पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से उपराष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं लेने से धनखड़ की जीत पहले ही पक्की हो चुकी थी। हम आपको बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के दोनों सदनों में मिलाकर 39 सांसद हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के दो बागी सांसदों- शिशिर अधिकारी और दिव्येंदु अधिकारी ने मतदान में भाग लिया। माना जा रहा है कि उन्होंने धनखड़ के पक्ष में ही मतदान किया।

जहां तक जगदीप धनखड़ के परिचय की बात है तो आपको बता दें कि धनखड़ मूल रूप से राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में अपनी मौजूदा भूमिका से पहले 71 वर्षीय जगदीप धनखड़ एक प्रसिद्ध वकील रहे हैं। भाजपा में शामिल होने से पहले जनता दल और कांग्रेस में रहे धनखड़ ने राजस्थान उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय में वकालत भी की थी। उन्होंने राजस्थान में जाट समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया जाना काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जगदीप धनखड़ अल्पकालिक चंद्रशेखर सरकार में मंत्री भी रहे थे। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिर से सत्ता में आने के बाद उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया गया था। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद पर रहते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ उनके संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे क्योंकि धनखड़ अक्सर कानून व्यवस्था सही नहीं होने का मुद्दा उठाया करते थे जिसके चलते उन पर राज्य सरकार की ओर से पलटवार किया जाता था।

जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने के साथ ही इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर पहुंचने वाले वह राजस्थान के दूसरे नेता बन गये हैं। जगदीप धनखड़ से पहले भैरों सिंह शेखावत ऐसी शख्सियत थे जोकि देश के उपराष्ट्रपति रहे थे। खास बात यह है कि स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत और जगदीप धनखड़ एक ही क्षेत्र यानि शेखावाटी से ताल्लुक रखते हैं। धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद पर निर्वाचन से एक इत्तेफाक यह भी हो गया है कि लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति एक ही राज्य के हो गये हैं। गौरतलब है कि वर्तमान में ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष हैं और वह राजस्थान के कोटा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव में भी एनडीए उम्मीदवार के रूप में श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने जीत हासिल की थी। इस तरह राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों में जीत के बाद जहां एनडीए का आत्मविश्वास आगामी चुनावों को लेकर और बढ़ा है वहीं विपक्ष के हाथ मायूसी लगी है। खासतौर पर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव में जिस तरह विपक्ष बिखरा नजर आया वह दर्शाता है कि सत्तारुढ़ गठबंधन की रणनीतियां कामयाब हो रही हैं।

चलती-फिरती लाइब्रेरी

पुस्तकें इंसानों की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। अच्छी पुस्तकें ज्ञानवर्धन के साथ-साथ भाषा कौशल और शब्दावली विकसित करती हैं तथा तनाव को कम करने का एक बेहतरीन तरीका है। कोरोना वायरस महामारी के कारण स्कूल बन्द होने की वजह से बच्चों की शिक्षा पर बहुत ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बच्चों को पढ़ने-लिखने और सीखने की प्रक्रिया से पुन: जोड़ने के क्रम में पुस्तक यात्रा नाम से पुस्तक मेला का आयोजन अलग शहर के अलग-अलग जगहों पर किया जा रहा है। अब तक यह यात्रा शहर के लगभग 15 से भी अधिक जगहों पर और 400 से ज़्यादा बच्चों तक पहुंच चुकी है। हम इस पुस्तक यात्रा में अपने साथ निरंतर संस्था का किताबों का पिटारा और युवा श्रृंखला, एकलव्य, आदि से किताबें झोले में लेकर जाते हैं। समुदाय में जो स्थान मिले जैसे पेड़, चारपाई, तख्त, मेज़, दीवार, फल रैक, आदि का प्रयोग करते हुए पुस्तकों की प्रदर्शनी लगा देते हैं। इन पुस्तक प्रदर्शनी में बच्चों का पुस्तकों के प्रति प्रेम और उत्साह देखते ही बनता है। इतने दिनों के बाद पुस्तकों को अपने बीच पाकर वे खुशी से झूम उठते हैं। पुस्तकों को देखने और पढ़ने के लिए इधर से उधर दौड़ना, अपने संगी साथी को भी बुला कर लाना, अपने घर वालों से पुस्तकों को साथ चलकर देखने और लेने के लिए ज़िद करना, घरों में ले जाकर अपने बड़े भाई-बहन को पुस्तकें दिखाना जैसे तमाम दृश्य, बच्चों का किताबों के लिए प्रेम और उत्साह को उजागर करता है। बच्चों के अलावा बड़े भी इस मेले में आकर पुस्तकें देखते और पढ़ते हैं। बच्चें अपनी पसंद की पुस्तकों को पढ़नें के साथ-साथ लेते भी हैं ताकि बाद में वह उसे पढ़ सके। यह पुस्तक यात्रा बच्चों के भीतर पढ़ने-लिखने और सीखने की रूचि को रोपित कर रहा है। समाज के गरीब और पिछड़े तबके के बच्चे जो इस महामारी के कारण सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए हैं उनके लिए ये पुस्तक मेला एक सपने के साकार होने जैसा है। पुस्तक मेले का बच्चों के बीच लोकप्रियता और स्वीकार्यता को उनके द्वारा कौतूहलवश बोले गए मधुर शब्दों से पता चलता है, कि, भैया/दीदी, आप दोबारा नई-नई किताबों के साथ फिर कब आएंगे ? इस बार चुटकलों, गणित और अंग्रेजी की नई किताब लेकर आईएगा !

भारत छोड़ो आंदोलन दिवस 8 अगस्त 2022 पर विशेष

आओ भारत छोड़ो आंदोलन से प्रेरणा लेकर, खाओगे तो जाओगे जन जागरण अभियान चलाएं

75 वें अमृत जयंती महोत्सव में आजादी से जुड़े हर आंदोलनों से प्रेरणा लेकर भ्रष्टाचार, अत्याचार से जांबाज़ी और जज्बे से मुकाबला करना समय की मांग - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - भारत में पिछले एक वर्ष से जोश और उमंग के साथ शासन प्रशासन और निजी स्तरपर हर क्षेत्र में आजादी का 75 वां अमृत जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। अभी सोने पर सुहागा घर-घर तिरंगा, बढ़े चलो सहित अनेक प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन 15 अगस्त 2022 तक करने से हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रहित देशभक्ति की भावना परवाना चढ़ जोश खरोश के साथ चल रहा है, जो मेरा मानना है भारतीय इतिहास में कभी नहीं हुआ!! ऐसा है मेरा भारत!!इस अवसर पर मेरा सुझाव है कि भारत की स्वतंत्रता के लिए चलाए गए सभी आंदोलनों से हमें प्रेरणा लेकर वर्तमान में भारत विरोधी ताकतों, भ्रष्टाचारियों, अपराधियों, जनता का हक मारने वालों, अज्ञात स्त्रोतोंसे धन कमाने वालों, मानव तस्करी सभी प्रकार के अवैध नशे व्यापारियों सहित भारत के सोने की चिड़िया बनने में खलल डालने वालों के खिलाफ वैसे ही रणनीतिक रोडमैप से मुकाबला करने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि हम 8 अगस्त 2022 का भारत छोड़ो आंदोलन की 80 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं इसलिए इस आर्टिकल के माध्यम से हम अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन, करो या मरो नारे और इन से प्रेरणा लेकर ना खाऊंगा ना खाने दूंगा और खाओगे तो जाओगे पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम 8 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन की करें तो, सन् 1857 के पश्चात देश की आजादी के लिए चलाए जाने वाले सभी आंदोलनों में सन् 1942 का %भारत छोड़ो आंदोलन% सबसे विशाल और सबसे तीव्र आंदोलन साबित हुआ। जिसके कारण भारत में ब्रिटिश राज की नींव पूरी तरह से हिल गई थी। आंदोलन का ऐलान करते वक्त गांधी जी ने कहा था मैंने कांग्रेस को बाजी पर लगा दिया। यह जो लड़ाई छिड़ रही है वह एक सामूहिक लड़ाई है। सन् 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन भारत के इतिहास में अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता रहा।साथियों भारत छोड़ो आंदोलन द्वितीय विश्वयुद्ध के समय 8 अगस्त 1942 को आरम्भ किया गया था, जिसका मकसद भारत मां को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराना था। ये आंदोलन देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ओर से चलाया गया था। बापू ने इस आंदोलन की शुरूआत अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुम्बई अधिवेशन से की थी।भारत छोड़ो आंदोलन दिवस-'करो या मरो' का आह्वान8 अगस्त 1942 को, महात्मा गांधी ने मुंबई के गोवालिया टैंक मैदान में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत करते हुए राष्ट्र को अपना भाषण दिया, जिसे अगस्त क्रांति मैदान भी कहा जाता है। महात्मा गांधी ने अपने भाषण में लोगों से राष्ट्र के लिए करो या मरो का आह्वान किया था। इसका मतलब था कि हम या तो भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराएंगे या राष्ट्र की रक्षा करते हुए मर जाएंगे, हम अब अंग्रेजों के गुलाम नहीं रहेंगे।

साथियों भारत छोड़ो आंदोलन को अपने उद्देश्य में आशिंक सफलता ही मिली थी लेकिन इस आंदोलन ने 1943 के अंत तक भारत को संगठित कर दिया। युद्ध के अंत में, ब्रिटिश सरकार ने संकेत दे दिया था कि सत्ता का हस्तांतरण कर उसे भारतीयों के हाथ में सौंप दिया जाएगा। इस समय गांधी जी ने आंदोलन को बंद कर दिया जिससे कांग्रेसी नेताओं सहित लगभग एक लाख राजनैतिक बंदियों को रिहा कर दिया गया। भारत छोड़ो आंदोलन को अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। 8 अगस्त को क्विट इंडिया मूवमेंट डे 2022 का 80 वां वर्षगांठ मनाया जा रहा है। भारत की आजादी के कई आंदोलन चलाए गए, जिसमें भारत छोड़ो आंदोलन ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साथियों लोग ब्रिटिश शासन के प्रतीकों के खिलाफ प्रदर्शन करने सड़कों पर निकल पड़े और उन?होंने सरकारी इमारतों पर कांग्रेस के झंडे फहराने शुरू कर दिये। लोगों ने गिरफ्तारियां देना और सामान?य सरकारी कामकाज में ?यवधान उत?पन?न करना शुरू कर दिया। विद्यार्थी और कामगार हड़ताल पर चले गये। बंगाल के किसानों ने करों में बढ़ोतरी के खिलाफ संघर्ष छेड़ दिया। सरकारी कर्मचारियों ने भी काम करना बंद कर दिया, यह एक ऐतिहासिक क्षण था। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ही डॉ. राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और अरुणा आसफ अली जैसे नेता उभर कर सामने आये। भारत छोड़ो आंदोलन के कारण और परिणाम का फल ही है कि भारतीय नागरिक आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं। भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया था।

साथियों बात अगर हम आजादी की 75 वीं अमृत महोत्सव जयंती वर्ष में अज्ञात स्त्रोतों से आए और भ्रष्टाचार पर ईडी के शिकंजे की करें तो मीडिया के माध्यम से हमने पढ़ा सुना कि कई बड़े बड़े अधिकारियों नेताओं व्यापारियों उद्योगपतियों व्यवसायियों पर शिकंजा कसकर ईडी ने जांबाज़ी से मामलों को उजगार किया और नोटों के पहाड़ों की जब्ती की!! परंतु मेरा मानना है कि हम आजादी के आंदोलनों से प्रेरणा लेकर ऐसे अधिकारियों नेताओं उद्योगपतियों जो संविधान अधिनियम नियमों को ताक पर रखकर अपनी कैपिटल बिल्डिंग में बेतहाशा वृद्धि कर रहे हैं, हर नागरिक को उनके खिलाफ जनजागरण करना होगा कि खाओगे तो जाओगे!! और हर शासकीय प्रशासकीय व्यक्ति को ना खाऊंगा ना खाने दूंगा का मंत्र जो पीएम द्वारा दिया गया है इसे अपने हृदय में गांठ बांध लेना चाहिए क्योंकि यदि 8 अगस्त 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन जो देशभक्तों का सबसे बड़ा आंदोलन था जिसने अंग्रेजों के भारत छोड़ने के बीज बोए!!

तन्हाइयों में बुलंद रखो हौसले।

तन्हाइयों में बुलंद रखो हौसले।

अजनबी से मिलते हो, रखो फासले,
तन्हाइयों में हो, बुलंद रखो हौसले।

परिंदे पालने का गर शौक हो बहुत,
मजबूत भी परिंदों के रखो घोंसले।

दर्द का दरिया सहज नहीं है पार करना,
कांटो पर चलने के हमेशा रखो सिलसिले।

ऊंचाई पर पहुंचकर ठहरना हो अगर,
हौसलों और मंसूबों के बना के रखो किले।

आज की आपाधापी में ना चैन है ना सुकून,
जारी जिंदगी में सादगी के रखो सिलसिले।

लिप्सा की अंधी दौड़ में क्या रखा है संजीव,
साधु संतों से मिल सको तो मिलो गले।

नई दिल्ली
सोमवार 08 अगस्त 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

गोंडा में दबंगों ने भाला मारकर ग्रामीण की हत्या, एक की हालत गंभीर

गोंडा। गोंडा जिले में थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में रविवार सुबह भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो रही थी। तभी दबंगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए आनन-फानन में जिला अस्पताल लाया गया। जिसमें 52 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरे का इलाज चल रहा है। जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम पंचायत ठड़क्क़ीपट्टी क्षेत्र के ठाकुरदींन पुरवा निवासी अरुण प्रसाद मिश्रा 52 पुत्र मुन्ना राम मिश्रा भाला मारकर हत्या कर दी गई। जबकि दिवाकर प्रसाद मिश्रा पुत्र मुन्नालाल मिश्रा गंभीर रूप से घायल हैं। जिनका इलाज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई है ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सीएम योगी का आदेश बेअसर, मूकदर्शक बनी ट्रैफिक पुलिस, बेखौफ दौड़ रहे ई-रिक्शा

लखनऊ। लखनऊ के सबसे व्यस्ततम चौराहा कानपुर रोड के अवध चौराहे पर ई रिक्शा का आतंक बदस्तूर जारी है। तीन दिन पहले सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवध चौराहे पर ई रिक्शा से लगने वाले जाम को लेकर नाराजगी जताई थी। बावजूद अवध चौराहे के नहरिया पर तैनात पुलिस के सिपाही और ट्रैफिक पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। इनके नजरों के सामने से ई रिक्शा गुजर रहे हैं, फिर भी किसी सिपाही ने ई रिक्शा रोकने की कोशिश नहीं की। यही कारण है कि आथ भी अवध चौराहे पर ई रिक्शा जाम कु मुख्य वजह बने हुए हैं। बेखौफ दौड़ रहे और न ही ई रिक्शा के चालान भी नहीं काटे जा रहे हैं। पुलिस के सिपाही श्रीधर मिश्र बताते हैं कि सीएम के आदेश की जानकारी नहीं है। ई रिक्शा रोकने की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस की है। पर यहां कोई भी सिपाही ई रिक्शा रोकने की जिम्मेदारी से दूर भागते नजर आए।

उत्तर प्रदेश के स्कूलों में होगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग की पढ़ाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा और टेकनोलॉजी से जोड़ने की योजना के तहत अब उन्हें स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग की भी पढ़ाई कराई जाएगी। यूपी के परिषदीय स्कूलों में कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई होगी। जानकारी के मुताबिक प्रदेश के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के छात्रों के साथ-साथ बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई कराई जाएगी। सिर्फ इतना ही नहीं, बच्चों को फाइनेंशियल इंटेलिजेंस और बिजनेस इंटेलिजेंस की भी पढ़ाई कराई जाएगी। यूपी के बेसिक शिक्षा विभाग ने इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इस योजना के पहले चरण में केजीबीवी की छात्राओं को कोडिंग सिखाई जाएगी। बच्चों को प्राइमरी लेवल से कोडिंग के एक-एक पहलू की पढ़ाई कराई जाएगी। बिजनेस इंटेलिजेंस के जरिए बच्चों को व्यापार की बारीकियों को समझाया जाएगा और सफल व्यापार चलाने के गुण बताए जाएंगे वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए उन्हें एआई से जुड़ी असीम संभावनाओं से रूबरू कराया जाएगा। ग्राम निधि और कंपोजिट फंड से यूपी के साढ़े सात सौ परिषदीय स्कूलों को स्मार्ट स्कूल में बदला जाएगा। इन सभी स्कूलों में स्मार्ट टीवी और यूपीएस लगाया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों में 3 डी डिस्कवरी लैब भी बनाया जाएगा।

कुशीनगर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की मांग

कुशीनगर। भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इस सिलसिले में स्थानीय सांसद विजय कुमार दुबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है और उनसे पर्यटन को बढ़ावा देने की दुहाई देते हुये अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने शुरू करने की मांग की है। सांसद ने गृह मंत्री को बताया कि कुशीनगर भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण भूमि है और बौद्ध सर्किट एरिया भी। अक्टूबर से मार्च तक लाखों की संख्या में विदेशी बौद्ध पर्यटकों का थाईलैंड, श्रीलंका जापान, कम्बोडिया, म्यांमार से आवागमन बना रहता है। इसके साथ ही बिहार, पूर्वी चम्पारण, नेपाल और कुशीनगर के साथ साथ देवरिया, महराजगंज के बहुत से लोग खाड़ी देशों में जाने के लिए दिल्ली होते मुंबई जाकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ान पकड़ते हैं। उन्होने कहा कि कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से अक्टूबर माह से थाईलैंड और एक फ्लाइट जेद्दा के लिए उड़ान शुरू कराएं। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन स्थल कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्रारम्भ होने के उपरांत देश के विभिन्न भागों से पर्यटकों का आवागमन की शुरुआत हुई थी लेकिन कुशीनगर के लिए सिर्फ एक स्पाइस जेट की फ्लाइट आती है और एक ही जाती है। वह भी अनियमित रूप से, पिछले सप्ताह स्पाइसजेट की फ्लाइट तीन दिन कैंसिल हुई जिसके कारण यात्रियों के मन में उड़ान को लेकर आशंका बनी रहती है।

टूरिस्ट बस में ट्रक घुसा, ड्राइवर की मौत

अयोध्या। अयोध्या के पटरंगा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में बस चालक की मौत हो गई। हाईवे पर ग्राम अशरफपुर गंगरेला गांव के मोड़ के निकट खड़ी टूरिस्ट बस में ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना रविवार सुबह 3 बजे हुई। टूरिस्ट बस खराब हो गई थी जिसे चालक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ी करके उसको बना रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी दोनों गाड़ियां बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गई। बस में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। घटना की सूचना ग्राम प्रधान अशरफपुर गंगरेला ने तत्काल पटरंगा पुलिस को दी। उपनिरीक्षक अरुण कुमार सिंह तत्काल अपने हमराही कांस्टेबल जीत बहादुर, अवनीश के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहन में कोई नहीं था। बस के नीचे टायर के पास एक युवक पड़ा था, जिसकी मौत हो चुकी थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। उप निरीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि खड़ी बस में पीछे से आ रहे ट्रक की जोरदार टक्कर हो गईद्य जिसमें बस के नीचे टायर बदल रहे ड्राइवर की मौत हो गई। चालक मोहन मंडल बिहार के लोकही थाना क्षेत्र के सोनपति नरहिया के रहने वाले थे। दुर्घटना ग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है।

बस्ती के 250 स्वास्थ्य केंद्रों पर लगा वैक्सीनेशन कैंप

बस्ती। कोरोना महामारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। इसी के मद्देजनर बस्ती के 250 स्वास्थ्य केंद्रों पर बुस्टर डोज लगाने के लिए मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 18-59 आयु वर्ग के लोगों को कोविड टीके की मुफ्त प्रिकॉशन डोज लगाई गई। इस आयु वर्ग को टीकाकरण की निःशुल्क सुविधा 30 सितम्बर तक मिलेगी। 59 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को पहले से ही प्रिकॉशन डोज की निःशुल्क सुविधा दी जा रही है। कोविड टीके की दूसरी डोज लगने के छह माह बाद प्रिकॉशन डोज लगाया जा रहा है। एएनएम ज्योति गुप्ता ने बताया कि 18 साल से ऊपर आयु वर्ग के जिन लोगों को दो डोज लग चुकी है, उन्हें प्रिकॉशन डोज लगाया जा रहा है। शहर में मुख्य आयोजन टाउन क्लब हाल में हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष रूपम मिश्रा, सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, सीएमओ डॉ. एचडी अग्रवाल ने फीता काटकर मेगा कैंप का शुभारंभ किया। यहां पर दो बूथ संचालित किए गए हैं। डीएम प्रियंका निरंजन ने भी बूथ का निरीक्षण किया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एके गुप्ता ने कहा, मेगा कैंप के तहत जिले में 250 सत्र का आयोजन किया गया है। सभी जगह पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराई गई। देर शाम तक चलने वाले सत्र में लगभग 10 हजार डोज टीका लगाए जाने का अनुमान है। आशा कार्यकर्ता, एएनएम, आंगनबाड़ी सहित अन्य विभाग के लोगों ने लाभार्थियों को बूथ तक लाने में सहयोग में लगी हैं। सीएमओ ने कहा, जिले में 18-59 आयु वर्ग के लगभग 15 लाख लोगों को 30 सितंबर तक निःशुल्क प्रिकॉशन डोज की सुविधा प्रदान की जा रही है। अभी तक केवल प्राइवेट में पैसा देकर यह सुविधा मिल रही थी।

रामायण से जुड़े स्थलों को देखना का एक और मौका

24 अगस्त से फिर शुरू हो रही है रामायण सर्किट रेल यात्रा

एजेंसी

अयोध्या। अगर आप भगवान राम से जुड़े सभी स्थलों के दर्शन करना चाहते हैं तो आपके पास मौका है। लोगों की भारी मांग पर रेलवे एक बार फिर से रामायण सर्किट रेल यात्रा की शुरूआत करने जा रही है। ये रेल यात्रा 24 अगस्त से शुरू होगी। रामायण सर्किट रेल यात्रा का सफर 19 रात और 20 दिनों का है। ये ट्रेन आपको भगवान राम से जुड़े सभी तीर्थ स्थलों के दर्शन कराएगी। इस दौरान आपको अयोध्या, प्रयागराज, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, प्रयागराज, बक्सर, नासिक, हंपी, रामेश्वरम, भद्रचलम और कांचीपुरम के दर्शन कराएगी।

रामायण सर्किट ट्रेन में थर्ड एसी कोच हैं और इसमें यात्रियों के खाने-पीने की व्यवस्था है। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को शुद्ध शाकाहारी भोजन मिलेगा। अगर आप इस यात्रा में शामिल होना चाहते हैं तो इसके लिए आपको 84 हजार रुपये देने होंगे। वहीं अगर आप दो से तीन लोगों के ग्रुप में हैं तो आपको प्रति व्यक्ति 73,500 रुपये का खर्च आएगा। वहीं बच्चे के लिए इस पैकेज का मूल्य 67,200 रुपये है।

इन सबके अलावा आईआरसीटीसी बुकिंग करवाने वाले पहले 100 यात्रियों को दस फीसदी डिस्काउंट भी दे रही है। अगर आपके पास एक मुश्त इतनी राशि नहीं है तो आप किश्तों में भी टिकट बुक करा सकते हैं जिसकी अदायगी आपको 36 महीनों में करनी होगी। 36 महीने तक आपको हर महीने 2690 रुपये की किश्त का भुगतान करना होगा। रामायण सर्किट ट्रेन को दिल्ली सफदरजंग, गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, कानपुर और लखनऊ से पकड़ा जा सकता है। इस यात्रा की बुकिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से की जा सकती है। ऑफलाइन बुकिंग के लिए आपको लखनऊ के गोमती नगर स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय आना होगा वहीं ऑनलाइन आप कहीं से भी बुकिंग करा सकते हैं।

महिला और उसकी बेटी से मारपीट करने वाला भाजपा नेता गिरफ्तार

बरेली। बिहारीपुर में ख्वाजा कुतुब के रहने वाले भाजपा नेता जितेंद्र रस्तोगी को महिला से मारपीट और हमले के मामले में कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुलिस की हिरासत में है। 31 जुलाई को बिहारीपुर ख्वाजा कुतुब की रहने वाली अनुराधा रस्तोगी ने जितेंद्र रस्तोगी व पांच छह अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद पूर्व सांसद और उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश अग्रवाल और प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने जितेंद्र रस्तोगी को व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री के पद से निष्कासित कर दिया था। कार्यवाही के अगले दिन ही कोतवाली पुलिस ने जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कोतवाली पुलिस के लॉकअप में हैं।

आगरा में बीती रात अंधेरे में दरगाह को किया गया क्षतिग्रस्त

एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में बीती रात कुछ असामाजिक तत्वों ने लोहामंडी से थोड़ी दूर पर बने पारस पल्स मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के पास बने धार्मिक स्थल को नुकसान पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक पारस पल्स की लाइट रात अचानक चली गई और पूरे इलाके में अंधेरा छा गया। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने धार्मिक स्थल को नुकसान पहुंचा दिया। कुछ ही देर में धार्मिक स्थल तोड़ने की खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। खबर पाकर कई लोग पारस पल्स के गेट के पास जमा हो गए।

लोगों का कहना है कि ये धार्मिक स्थल पारस पल्स बिल्डिंग बनने से पहले से वहां मौजूद था और पूरी सोची समझी साजिश के तहत ये धार्मिक स्थल तोड़ा गया है।

खबर मिलते ही लोहामंडी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए फौरन आला अधिकारियों को भी मामले की सूचना दी गई। इस बीच पुलिस ने वायरलेस कर दिया जिससे कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

स्थानीय निवासी सादिक के मुताबिक पारस नाथ बिल्डिंग में अचानक रात को लाइट चली गई। कुछ समय बाद जब उनकी भतीजी छत पर गई तो उसने देखा कि कोई बुलडोजर से दरगाह को तोड़ रहा है।

जब वो दौड़ते हुए दरगाह की तरफ पहुंचे तो देखा बुलडोजर दरगाह को तोड़ रहा था। सादिक का आरोप है कि साजिश के तहत इलाके की लाइट काटी गई ताकि अंधेरे की आड़ में दरगाह गिराई जा सके।

उनका कहना है कि इस इलाके में हिंदू-मुसलमान के बीच कभी कोई फसाद नहीं रहा। दोनों आपस में मिलकर रहते हैं। दरगाह को लेकर भी उन्होंने कहा कि इस दरगाह पर हिंदू-मुसलमान दोनों आते थे। दरगाह को किसने तोड़ा इसकी फिलहाल जानकारी नहीं है।

रायबरेली में पुलिस मुठभेड़, बदमाश के लगी गोली, दो अरेस्ट

रायबरेली। रायबरेली शहर कोतवाली क्षेत्र के ठोकरी गांव के पास स्थित खबर मलन कब्रिस्तान के पास रविवार भोर में कई 4:00 बजे बाइक सवार दो बदमाशों से कोतवाली पुलिस की मुठभेड़ हो गई। बाइक से भाग रहे बदमाश शुभम रावत पुत्र रामनरेश और अंकुर द्विवेदी पुत्र सुभाष चंद्र द्विवेदी निवासी इंदिरा नगर से मुठभेड़ हो गई। पुलिस मुठभेड़ में बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायर झोंक दिया। बचाव में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो बाइक से भाग रहे बदमाश शुभम रावत के पैर में गोली लग गई। इससे बाइक सवार बदमाश गिर पड़े पुलिस ने दोनों बदमाशों को दबोच लिया और घायल बदमाश शुभम को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया।

वही हिरासत में लिए गए अंकुर द्विवेदी से पुलिस पूछताछ कर रही है। पूछताछ में अंकुर द्विवेदी ने बताया कि वह चोरी के मोबाइल के लॉक खोलने में माहिर है। उसने अब तक कई चोरी के मोबाइल चुराए हैं। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के पास से चोरी के मोबाइल के साथ अन्य सामान भी बरामद किया है। पकड़े गए बदमाशों के खिलाफ शहर कोतवाली में कई अपराधिक मामले भी दर्ज है।

बागपत में तमंचा लहराते युवक का वीडियो वायरल

बागपत। बागपत में एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक गली में लोगों की भीड़ इकट्ठा है। जो आपस में एक दूसरे से भिड़े हुए हैं। इसी बीच एक युवक मकान की छत के ऊपर खड़ा होकर बैग से तमंचा निकालकर लहराता है। वहां खड़े किसी व्यक्ति ने यह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। बागपत जनपद में सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल होता दिख रहा है। जिसमें एक मकान की छत पर खड़ा युवक अपने बैग से तमंचा निकालकर लहराता नजर आ रहा है। वहीं वीडियो में कुछ लोग गली में नीचे खड़े हैं।

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने जारी की अवैध प्लाटिंग करने वालों की लिस्ट, भाजपा नेताओं का भी नाम

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से अवैध प्लाटिंग तेजी से बढ़ी है। जिसे लेकर अयोध्या विकास प्राधिकरण ने रविवार को 40 अवैध प्लाटिंग करने वाले भूमाफियाओं की लिस्ट जारी की है।

इस लिस्ट में अयोध्या सदर के बीजेपी विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, पूर्व बीजेपी विधायक गोरखनाथ और मेयर ऋषिकेश उपाध्याय का नाम भी शामिल है। इसके अलावा 2 करोड़ की जमीन को 18.5 करोड़ रुपये में बैनामा कराने वाले सुल्तान अंसारी और उसके पिता नन्हे मियां का भी नाम लिस्ट मे हैं। सपा नेता और पूर्व राज्यमंत्री पवन पांडेय ने इस बारे में पत्र लिखकर विकास प्राधिकरण और राजस्व विभाग के अफसरों पर आरोप लगाया है। पवन पांडेय का कहना है कि भूमाफियाओं के गोरखधंधे में कई अधिकारी शामिल हैं। वहीं बीजेपी सांसद लल्लू सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर एसआईटी जांच कराने की मांग की थी।

भूमाफियाओं पर होगी कड़ी कार्रवाई

अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव विशाल सिंह ने कहा कि जमीन की खरीद फरोख्त करने वालों की पहचान कर ली गई है जल्दी इन पर कार्रवाई की जाएगी। अभी तक 40 अवैध प्लाटिंग को चिन्हित किया गया है। सभी प्लाटिंग को गिरा दिया जाएगा। सचिव विशाल सिंह ने लोगों से अपील किया कि अवैध जमीनों पर निर्माण न कराए।

एससी-एसटी एक्ट में दोषसिद्धि के पहले ही मुआवजे के लिए तीन साल में बांट दिए 17.86 करोड़

गोरखपुर। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अनुसूचित जाति-जनजाति के उत्पीड़न के मामलों में अभियुक्त की दोषसिद्धि के बाद मुआवजे का फैसला पारित किया है। इस आईने में देखें तो गोरखपुर जिले में दोषसिद्धि के पहले ही तीन साल में 17.86 करोड़ रुपये पीड़ितों को बांट दिए गए। वर्ष 2019 से इस साल जुलाई तक 2548 मामलों में यह धनराशि दी गई।

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन नियम 2016 के आधार पर पीड़ित व्यक्ति को अलग-अलग मामलों में अलग अलग आर्थिक सहायता विभिन्न स्तरों पर मिलती है। एफआईआर, आरोप पत्र दाखिल होने पर और दोषसिद्ध होने पर निर्धारित धनराशि को अलग-अलग हिस्सों में बांटा जाता है। अधिकांश मामलों में पीड़ित को 75 फीसदी तक धनराशि आरोप पत्र दाखिल होने तक मिल जाती है। लेकिन समाज कल्याण विभाग में मामले लम्बे चलते हैं। ऐसे सिर्फ 10 फीसदी मामले ही हैं, जिनमें निर्णय के बाद पीड़ित को आर्थिक सहायता मिलती है। दबी जुबान विभागीय अधिकारी भी स्वीकार करते हैं कि ज्यादातर मामलों में एससी-एसटी एक्ट में मुआवजे का पैसा मिलने के बाद पीड़ित पक्ष अभियुक्त से सुलह कर लेते हैं।

एससी-एसटी केस में इस तरह मिलती है सहायता

केस दर्ज होते ही आधी रकम मिलती है। चार्जशीट के बाद बची हुई रकम का आधा हिस्सा मिलता और बची हुई धनराशि सजा के बाद मिलती है। इस तरह से एक तिहाई रकम पीड़ित को चार्जशीट दाखिल होने तक ही मिल जाती है। उदहारण के तौर पर गैंगरेप में आठ लाख रुपये मिलते हैं। इसमें मेडिकल रिपोर्ट के बाद एफआईआर दर्ज होते ही चार लाख, आरोपपत्र दाखिल होने पर दो लाख रुपये और कोर्ट के फैसला के बाद बचे हुए दो लाख रुपये मिलते हैं। आरोपपत्र दाखिल होने के बाद कोर्ट में समझौता हो गया तो बाकी पैसा नहीं मिलता है। हत्या में 8.25 लाख रुपये का प्रावधान है। इसमें पोस्टमार्टम होते ही 50 प्रतिशत रकम मिलती और चार्जशीट दाखिल होने पर बाकी पैसा मिल जाता है। रेप में पांच लाख मिलते हैं। इसमें आधा पैसा एफआईआर के बाद, बची हुई रकम में से आधी चार्जशीट दाखिल होने पर और बाकी 25 प्रतिशत धनराशि सजा के बाद मिलती है।

यह कहा है हाईकोर्ट ने

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गत दिवस महत्वपूर्ण आदेश पारित कर कहा है कि अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में पीड़ित को अभियुक्त की दोषसिद्धि के बाद ही मुआवजा दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि हम प्रतिदिन यह चलन देख रहे हैं कि एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों में मुआवजा मिलने के बाद पीड़ित अभियुक्त से समझौता कर लेते हैं।

न्यायालय ने कहा है कि जिन मामलों में मुआवजा दिया जा चुका है और वादी व अभियुक्त के बीच समझौते के आधार पर हाईकोर्ट द्वारा आरोपपत्र खारिज किया जा चुका है, ऐसे मामलों में सरकार मुआवजे की रकम को वादी अथवा पीड़ित से वापस लेने को कदम उठाए।

सिपाही की दबंगई : फ्री पराठा नहीं दिया तो व्यापारी को बुरी तरह पीटा

एजेंसी

बदायूं। बदायूं में फ्री पराठा न देने पर सिपाही ने डंडे से पीटकर व्यापारी का सिर फोड़ दिया जिससे वह बेहोश हो गया। यह देख आसपास के व्यापारी आक्रोशित हो गए और भाग रहे सिपाही को पकड़ लिया। लोगों ने जमकर हंगामा किया जिसका वीडियो वायरल हुआ है। व्यापारी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस्लामनगर कस्बे के रहने वाला कारोबारी दीपक पुलिस चौकी के पास पराठे बेचता है। दीपक ने पुलिस को बताया कि इस चौकी पर तैनात एक सिपाही अक्सर दबंगई दिखाते हुए उससे मुफ्त में पराठा खाता था। शुक्रवार रात भी आरोपी सिपाही हितेश फौजी पराठा खाने दीपक के पास पहुंचा।

पराठा खाने के बाद जब वह चल दिया तब दीपक ने उससे रुपये मांग लिए। रुपये मांगने से सिपाही आग बबूला हो गया और गालियां देने लगा। दीपक ने विरोध किया तो सिपाही ने डंडे से उसका सिर फोड़ दिया। जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहोश होकर गिर पड़ा।

सिपाही से दीपक की नोकझोंक व मारपीट को काफी देर से लोग देख रहे थे। कुछ लोग वीडियो भी बना रहे थे। इधर दीपक बेहोश होकर गिर गया तो सिपाही ने मामला गंभीर समझकर वहां से दौड़ लगा दी मगर भीड़ ने सिपाही को मौका नहीं दिया और उसे दबोच लिया।

सिपाही की क्रूरता पर लोग आक्रोशित थे और विरोध में हंगामा करने लगे। काफी देर तक हंगामा हुआ तो वहां पुलिस फोर्स पहुंची।

पुलिस ने घायल दीपक को अस्पताल में भर्ती कराया वहीं, सिपाही को भी पुलिस भीड़ से छुड़ाकर अपने साथ ले गई। वहीं, पूरे प्रकरण का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया है। जिस पर लोग पुलिस को जमकर कोस रहे हैं।

लखनऊ में आज से बूस्टर डोज का महाभियान

लखनऊ। 15 जुलाई से यूपी में शुरू हुए फ्री बूस्टर डोज अभियान का आज अहम दिन है। लखनऊ में 200 से ज्यादा सेंटर पर आज बूस्टर डोज यानी प्रिकॉशन डोज लगाई जा रही है। अकेले लखनऊ में करीब 60 हजार लोगों को वैक्सीनेशन की डोज देने का लक्ष्य रखा गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा है कि चिकित्सालयों में को-वैक्सीन और कोविशील्ड वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करा दी गई है। सभी से अपील है कि अधिक से अधिक लोग बूस्टर डोज लें ।लखनऊ के कानपुर रोड पर बने राजनारायण लोकबंधु संयुक्त चिकित्सालय में विधायक राजेश्वर सिंह अभियान का आगाज करेंगे। अस्पताल की निदेशक डॉ. दीपा त्यागी ने बताया कि राज्य प्रिकॉशन डोज अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को बड़ी संख्या में लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई जाएगी। लखनऊ के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एमके सिंह ने बताया कि 203 जगहों पर टीकाकरण होगा। इनमें 12 जिला स्तरीय अस्पताल बलरामपुर, लोहिया, सिविल, डफरिन, झलकारीबाई, रानी लक्ष्मीबाई, लोकबंधु शामिल हैं।

विद्युत संशोधन विधेयक के विरोध में बिजलीकर्मी करेंगे कार्य बहिष्कार

लखनऊ। इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2022 को लोकसभा में रखे जाने के विरोध में देश के 27 लाख बिजली कर्मचारी और इंजीनियर आठ अगस्त को काम छोड़ कर प्रदर्शन करेंगे।

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की पुनः अपील की है जिससे जल्दबाजी में इस बिल को संसद में न पारित कराया जाए और बिजली उपभोक्ताओं तथा बिजली कर्मचारियों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स से बातचीत करने के लिये बिल को संसद की बिजली मामलों की स्टैंडिंग कमेटी को संदर्भित कर दिया जाए 7 फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने रविवार को कहा कि केन्द्र सरकार संसदीय परम्पराओं का उल्लंघन करते हुए इलेक्ट्रीसिटी (अमेण्डमेंट) बिल 2022, आठ अगस्त को संसद के चालू सत्र में रखने जा रही है जिससे पूरे देश के बिजली कर्मचारियों में भारी गुस्सा है। देश के 28 प्रांतों के बिजली कर्मियों ने 08 अगस्त को पूरे दिन काम छोड़कर विरोध प्रदर्शन करने की नोटिस केंद्र सरकार को दे दी है 7 लाखों की संख्या में बिजली कर्मचारी और इन्जीनियर इलेक्ट्रीसिटी (अमेण्डमेंट) बिल के विरोध में सड़कों पर उतरेंगे।

उन्होंने कहा कि बिल का मसौदा पांच अगस्त को लोकसभा के सांसदों को दिया गया है और इस पर केंद्रीय विद्युत् मंत्री आर के सिंह के दो अगस्त की तारीख में हस्ताक्षर हैं 7 इससे स्पष्ट है कि इस बिल पर किसी भी स्टेकहोल्डर से राय नहीं माँगी गई है, जो मात्र तीन दिन में संभव भी नहीं है। बिजली संविधान की समवर्ती सूची में है जिसका अर्थ यह होता है कि बिजली के मामले में क़ानून बनाने में केंद्र और राज्य का बराबर का अधिकार है मगर इस बिल पर केंद्र सरकार ने किसी भी राज्य से कमेन्ट नहीं मांगे है जो संसदीय परम्परा का खुला उल्लंघन है।

नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ़ इलेक्ट्रीसिटी इम्प्लोईस एन्ड इंजीनियर्स निर्णय के अनुसार 08 अगस्त को देश भर में सभी ऊर्जा निगमों के तमाम कर्मचारी व अभियन्ता कार्य छोड़कर कार्य स्थल से बाहर आ जायेंगे और दिन भर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मेरठ में पिता ने बेटी के मर्डर की दी सुपारी : किलर से लगवाया जहरीला इंजेक्शन

एक लाख रुपए में किया था जान का सौदा

मेरठ। मेरठ में एक बाप ने अपनी 17 साल की बेटी की हत्या की सुपारी दे दी। उसे शक था कि बेटी का अफेयर चल रहा है। 6 जुलाई की शाम शक में बाप ने बेटी को खूब डांटा। उसकी पिटाई कर दी। बोला, अगर आज के बाद घर से बाहर निकली तो जान ले लूंगा। इसी गुस्से में बेटी छत से कूद गई। इलाज के लिए मोदीपुरम में फ्यूचर प्लस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इसके बाद पिता ने उसकी जान लेने का प्लान बनाया।

अधिक मात्रा में पोटेशियम क्लोराइड का इंजेक्शन दिया

पुलिस ने बताया कि साजिश रचने के मामले में लड़की के पिता नवीन, सुपारी किलर नरेश और नर्स सोनिया को अरेस्ट कर लिया गया है। लड़की के पिता ने वार्ड ब्वॉय को सुपारी दी थी। वार्ड ब्वॉय ने हॉस्पिटल की एक महिला कर्मी के साथ मिलकर फर्जी डॉक्टर बनकर लड़की को पोटेशियम क्लोराइड की ज्यादा मात्रा में इंजेक्शन दिया। पिता ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसकी बेटी ने प्रेम प्रसंग के चलते छत से आत्महत्या की कोशिश की थी।

हॉस्पिटल स्टाफ ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा

7 जुलाई को सुपारी किलर नरेश लड़की को जहरीला इंजेक्शन लगाने पहुंचा था। नर्स सोनिया ने उसे इंजेक्शन लगाया। हालत बिगड़ने लगी। इसी पर संदेह हुआ तो हॉस्पिटल में अफरा-तफरी मच गई। तभी सुपारी किलर नरेश हॉस्पिटल से भागने लगा। वह कुछ समय पहले रितु के कमरे में देखा गया था। संदेह होने पर हॉस्पिटल स्टाफ ने सुपारी किलर नरेश और नर्स सोनिया को पकड़ लिया। पल्लवपुरम पुलिस के हवाले कर दिया।

एक लाख रुपए दी थी सुपारी

पल्लवपुरम इंस्पेक्टर अविनाश अष्टवाल मौके पर पहुंचे। नरेश और सोनिया को पकड़ लिया। नरेश और सोनिया ने पुलिस को बताया कि बेटी अपने प्रेमी से बात करती थी जो उसके परिवार के लोगों को पसंद नहीं थी। सुपारी किलर नरेश ने बताया कि उसे लड़की के पिता ने 1 लाख रुपए की सुपारी दी थी। नगद पूरे रुपए भी दे दिए थे।

सिद्धार्थनगर में कटौती से परेशान ग्रामीणों ने पावर हाउस घेरा

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में बिजली कटौती से परेशान धरमसिंहवा फीडर के उपभोक्ताओं ने रविवार को खेसरहा पावर हाउस का घेराव किया। आक्रोशित लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारे भी लगाए। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने समाधान का आश्वासन देकर शांत कराया।

विद्युत उपकेंद्र खेसरहा के अंतर्गत कुल चार फीडर धर्मसिंहवा, बनेथू, आईटीआई और बेलौहा संचालित होते हैं। धर्मसिंहवा फीडर की बिजली पिछले बारह दिनों से खराब चल रही है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शनिवार रात करीब बारह बजे धर्म सिंहवा फीडर की बिजली कट गई और पूरी रात नहीं आई। इससे गुस्साए बनकटा, मरवटिया, देवगह, सुपौली आदि गांवों के करीब 50 की संख्या में लोग ग्राम प्रधान सुपौली विवेक राय की अगुवाई में खेसरहा पावर हाउस पहुंचे। ग्रामीणों ने पावर हाउस का घेराव कर बिजली विभाग मुर्दाबाद के नारे लगाए। सूचना पर जेई एसके मौर्या ने बिजली समस्या का शीध्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके बाद लोग शांत हुए। एसएसओ विशाल कुमार ने बताया की पिछले 12 दिनों से मशीन खराब है।

नया टू-व्हीलर रीसेल प्लेटफॉर्म लॉन्च

-ज्यादा कीमत पर बेच सकेंगे पुराना टू-व्हीलर

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने व्हील्स ऑफ ट्रस्ट नाम से एक नया टू-व्हीलर रीसेल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इस प्लेटफॉर्म पर आपक पुराने टू-व्हीलर के लिए सबसे अच्छी कीमत मिलेगी।

नए प्लेटफॉर्म को फिजिटल अवतार में लॉन्च किया गया है। इसका मतलब यह है कि प्लेटफॉर्म डिजिटल और ऑन-ग्राउंड दोनों पर काम करेगा। इसलिए यह एक ओमनी-चैनल होगा। हीरो मोटोकॉर्प का लक्ष्य किसी भी ब्रांड के मौजूदा टू-व्हीलर को एक्सचेंज करने के लिए अपने वन-स्टॉप समाधान को मजबूत करना है। व्हील्स ऑफ ट्रस्ट को एक डीआईवाय या डू इट योरसेल्फ के रूप में बनाया गया है, जिसे ग्राहक अपने मोबाइल फोन या पर्सनल कंप्यूटर पर खोल सकते हैं। निर्माता ने 900 से अधिक चैनल भागीदारों के साथ भागीदारी की है, जो ग्राहकों की सहायता करेंगे। प्लेटफॉर्म अब तक 5 लाख से अधिक ग्राहकों को सर्विस दे चुका है।

अब, फिजिटल अवतार के साथ, ग्राहकों के लिए नई वेबसाइट के जरिए अपने पुराने टू-व्हीलर को बेचना और भी आसान होगा। ग्राहक को इस वेबसाइट पर राज्य, शहर, टू-व्हीलर वाहन का प्रकार, निर्माता का नाम, मॉडल नंबर और रजिस्ट्रेशन डेट और साल भरना होगा।

फिर वेबसाइट मोटरसाइकिल की स्थिति से जुड़ी कुछ जानकारी पूछी जाएगी। आखिर में ग्राहक को अपनी जानकारी भरनी होगी। हीरो मोटोकॉर्प ने हाल ही में भारतीय बाजार में सुपर स्प्लेंडर कैनवास ब्लैक एडिशन लॉन्च किया है।

नया हीरो सुपर स्प्लेंडर कैनवस ब्लैक एडिशन ऑल-ब्लैक कलर के साथ आता है। इसके फ्यूल टैंक पर क्रोम 'सुपर स्प्लेंडर' बैज भी दिया गया है।

कंपनी ने हेडलाइट के पास और एग्जॉस्ट हीट शील्ड पर क्रोम एलिमेंट्स भी जोड़े हैं। ये बदलाव एंट्री-लेवल मोटरसाइकिल के कलर ऑप्शन तक सीमित हैं।

सुपर स्प्लेंडर का नया ब्लैक एडिशन दो वेरिएंट- ड्रम और डिस्क में उपलब्ध है और इसकी कीमत क्रमशः 77,430 रुपये और 81,330 रुपये है। ग्राहक हीरो मोटोकॉर्प ईशॉप पर नई मोटरसाइकिल की ऑनलाइन प्री-बुकिंग कर सकते हैं।

सेबी ने अप्रैल और जून में 28 आईपीओ लॉन्च को दी अनुमति

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल और जून माह में 28 आईपीओ को लॉन्च की मंजूरी दी है। इन आईपीओ के जरिए ये कंपनियां कुल 45,000 करोड़ रुपए बाजार से जुटाने की योजना बना रही हैं। जिन कंपनियों ने आईपीओ लाने के लिए नियामक की मंजूरी हासिल की है, उनमें लाइफस्टाइल रिटेल ब्रांड फैबइंडिया, एफआईएच मोबाइल्स और फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी समूह की सहायक कंपनी- भारत एफआईएच, टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्युशंस, ब्लैकस्टोन समर्थित आधार हाउसिंग फाइनेंस और मैकलियोड्स फार्मास्युटिकल्स एंड किड्स क्लिनिक इंडिया शामिल हैं। मर्चेंट बैंकरों ने कहा कि इन कंपनियों ने अभी तक अपने आईपीओ लाने की तारीख घोषित नहीं की है और इसके लिए सही समय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की मौजूदा स्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण हैं। आनंद राठी इनवेस्टमेंट बैंकिंग के निदेशक और इक्विटी पूंजी बाजार के प्रमुख प्रशांत राव ने कहा मौजूदा माहौल बेहद चुनौतीपूर्ण है और जिन कंपनियों के पास मंजूरी है, वे आईपीओ लाने के लिए सही वक्त का इंतजार कर रही हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार कुल 28 कंपनियों ने अप्रैल-जुलाई 2022-23 के दौरान आईपीओ के जरिए पूंजी जुटाने के लिए नियामक की मंजूरी हासिल की। चालू वित्त वर्ष में अब तक 11 कंपनियां आईपीओ के जरिए 33,254 करोड़ रुपए जुटा चुकी हैं। इसमें एक बड़ा हिस्सा (20,557 करोड़ रुपए) एलआईसी के आईपीओ का था। गौरतलब है कि बाजार की स्थिति के कारण मई के बाद इस साल एक भी आईपीओ नहीं आया है। वित्त वर्ष 2021-22 में 52 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए रिकॉर्ड 1.11 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। हालांकि, इनमें से कई शेयर औंधे मुंह गिरे और आईपीओ को लेकर निवेशक अब बहुत अधिक सतर्क हो गए हैं। जोमैटो व पेटीएम जैसे बड़े नामों में निवेशकों को अपने नाम की ही तरह बड़े स्तर पर निराश भी किया। इसका असर इस साल एलआईसी के आईपीओ पर भी पड़ा, एलआईसी के शेयर अभी तक गिरावट से रिकवर नहीं कर पाए हैं।

तिलहन बाजारों की साप्ताहिक समीक्षा) विदेशी बाजारों में गिरावट से खाने के तेल-तिलहन के दाम टूटे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाने के तेलों के दाम टूटने की वजह से देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तेल सहित लगभग सभी तेल तिलहन कीमतों में हानि दर्ज हुई। बाकी तेल-तिलहनों के भाव अपरिवर्तित रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि आयातित खाद्य तेलों के सस्ता होने से बीते सप्ताह तेल तिलहन कीमतों में गिरावट आई। सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 75 रुपए की हानि के साथ 7,215-7,265 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 200 रुपए की गिरावट के साथ 14,600 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 30-30 रुपए टूटकर क्रमशः 2,310-2,390 रुपए और 2,340-2,455 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। गिरावट के आम रुख के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमशः 90-90 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 6,360-6,435 रुपए और 6,135-6,210 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 350 रुपए की गिरावट के साथ 13,250 रुपए, सोयाबीन इंदौर का भाव 150 रुपए टूटकर 13,150 रुपए और सोयाबीन डीगम का भाव 300 रुपए गिरावट के साथ टूटकर 11,950 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। महंगा होने की वजह से मांग प्रभावित होने से मूंगफली तेल-तिलहनों में भी गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपए टूटकर 6,870-6,995 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 120 रुपए की गिरावट के साथ 16,000 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 20 रुपए की हानि के साथ 2,670-2,860 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 150 रुपए घटकर 11,150 रुपए क्विंटल रह गया। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपए घटकर 13,200 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 100 रुपए घटकर 12,100 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

फेडरल बैंक में जमा खातेदारों को अब मिलेगा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के फेडरल बैंक ने अपने जमा खातेदारों की ब्याज दरों को वृद्धि की है। बैंक का यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में वृद्धि के बाद आया है। बैंक का कहना है कि उसके बचत खाते पर ब्याज दर रेपो रेट से संबंधित है इसलिए ब्याज बढ़ाया गया है। बढ़ी हुई दरें आज यानी 6 अगस्त से लागू हो गई हैं।

बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। 5 करोड़ रुपये या उससे कम के बचत खाते पर बैंक की ब्याज दर आरबीआई की रेपो रेट से 2.40 फीसदी नीचे रहती है। इसके अनुसार, बचत खाते पर अब ग्राहकों को 3 फीसदी का ब्याज मिलेगा। वहीं, 5 करोड़ रुपये से अधिक का बचत खाता होने पर शुरुआती 1 लाख रुपये पर रेपो रेट से 2.40 फीसदी कम ब्याज दर मिलेगी लेकिन शेष राशि पर रेपो रेट से केवल 1.15 फीसदी कम ब्याज दर दी जाएगी। इसका मतलब है कि शेष राशि पर 3.35 फीसदी का ब्याज मिलेगा। गौरतलब है कि आरबीआई ने

0.50 फीसदी की वृद्धि करते हुए रेपो रेट को 5.40 फीसदी तक पहुंचा दिया है। बैंक ने कहा है कि हर दिन के अंत में बचत खाते में जो राशि होगी उस पर ब्याज की गणना की जाएगी लेकिन ब्याज हर तीन महीने पर खाताधारक को दिया जाएगा। फेडरल बैंक ने इससे पहले जून में भी सेविंग्स अकाउंट पर ब्याज बढ़ा दिया था। बता दें कि मई और जून में आरबीआई ने लगातार 2 बार रेपो रेट बढ़ाकर उसमें 0.90 फीसकी की वृद्धि की थी।

सुजुकी ने 2023 वैगनआर फेसलिफ्ट से पर्दा उठाया

- बेहद शानदार दिख रही कार, कई फीचर्स से है लैस

नई दिल्ली ।

सुजुकी कंपनी ने 2023 वैगनआर फेसलिफ्ट से पर्दा उठाया है। भारत में इस साल फरवरी में लॉन्च हुई यह कार 2022 वैगनआर फेसलिफ्ट के रिप्लेस मॉडल के रूप में लॉन्च किया जाएगा। नई वैगनआर फेसलिफ्ट के डिजाइन में सभी एंगल पर बदलाव देखने को मिलेंगे। हैचबैक के सामने की पट्टी में एक नया डिजाइन किया गया फ्रंट बम्पर है, जो अब ज्यादा वर्टीकल स्पेस और फ्रंट ग्रिल को कवर करता है। हेडलाइट पिछले मॉडल की तरह ही है। साइड प्रोफाइल में बदलाव किया गया है। कार की खिड़कियों का फ्रेम डिजाइन बदला हुआ है। नई कार के दरवाजे मौजूदा मॉडल से काफी अलग दिखते हैं।नई वैगनआर की रियर प्रोफाइल की बात करें तो इसमें अब टेल लाइट्स को ज्यादा नीचे शिफ्ट कर दिया गया है, जो कार को एक यूनिक लुक देता है। नई वैगनआर कुछ नए शेड्स के साथ कुल 10 कलर ऑप्शन में उतारी जाएगी। इसमें टेराकोटा पिंक मैटेलिक, डस्क ब्लू मैटेलिक और फॉगी ब्लू पर्ल मेटैलिक नए ऑप्शन शामिल होंगे। वैगनआर फेसलिफ्ट में 660सीसी 3-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो केवल पेट्रोल और माइल्ड हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ आता है।

पावरट्रेन को 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

कार दोनों ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ चार-पहिया-ड्राइव विकल्प के साथ भी आती है। रिपोर्ट के अनुसार, जापान में वैगनआर फेसलिफ्ट की कीमत करीब 7.22 लाख रुपये से 8.96 लाख रुपये के बीच है। सेफ्टी फीचर्स में अपडेट में फ्रंट और कर्टेन एसआरएस एयरबैग, अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और व्हीकल स्पीड ट्रैकिंग शामिल हैं। इसमें फर्स्ट-इन-सेगमेंट पेडेस्ट्रियन डिटेक्शन और लेन डिपार्चर सप्रेशन फीचर्स भी हैं। कुछ को छोड़कर, हैचबैक के सभी वेरिएंट में सभी सेफ्टी फीचर्स स्टैंडर्ड के तौर पर पेश किए जाएंगे।

सुजुकी कंपनी ने इस हैचबैक को एक नया डिजाइन, अपग्रेड इंटीरियर और कई नए फीचर्स के साथ अपडेट किया है।

महाराष्ट्र में इथेनॉल उत्पादन 140 करोड़ लीटर पहुंचने की संभावना: चीनी उद्योग

औरंगाबाद । महाराष्ट्र में इथेनॉल का उत्पादन अगले वर्ष 140 करोड़ लीटर तक पहुंचने की संभावना है। चीनी उद्योग के प्रतिनिधियों ने यह जानकारी दी। नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि भविष्य में गन्ने से संबंधित ईंधन की मांग भोजन से अधिक होगी। उन्होंने कहा कि इसलिए महाराष्ट्र में चीनी उद्योग को आने वाले समय में ऊर्जा उद्योग भी कहा जाएगा। इथेनॉल चीनी मिलों का उप-उत्पाद है। इसका उत्पादन चक्र एक दिसंबर से 30 नवंबर तक है। राज्य सहकारी चीनी मिल संघ के एक प्रतिनिधि के अनुसार 2020-21 में महाराष्ट्र ने 78 प्रतिष्ठानों के माध्यम से 100.36 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन किया। उन्होंने कहा कि राज्य ने दिसंबर 2021 से अब तक 75.88 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन किया है और इस साल 30 नवंबर तक 85 प्रतिष्ठानों के माध्यम से 116 करोड़ लीटर तक उत्पादन होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगले साल उत्पादन 130 से 140 करोड़ लीटर तक पहुंच जाने की संभावना है।

बिड़ला कॉरपोरेशन का मुनाफा घटकर 62 करोड़ रहा

नई दिल्ली । एमपी बिड़ला समूह की कंपनी बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 56.24 प्रतिशत घटकर 61.92 करोड़ रुपए हो गया। बीती तिमाही में बिजली, ईंधन एवं मालढुलाई की लागत बढ़ने से उसके मुनाफे पर असर पड़ा है। कंपनी ने बीएसई को दी गई एक सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका मुनाफा 141.51 करोड़ रुपए रहा था। हालांकि कंपनी का परिचालन राजस्व 26 प्रतिशत बढ़कर 2,203.76 करोड़ रुपए हो गया जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,749.11 करोड़ रुपए रहा था। बिड़ला कॉरपोरेशन का आलोच्य तिमाही में कुल खर्च 2,129.27 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले की समान अवधि के 1,567.83 करोड़ रुपए की तुलना में 35.81 प्रतिशत अधिक है। सीमेंट कारोबार से राजस्व 2,100.29 करोड़ रुपए रहा जबकि जूट कारोबार से उसे 103.19 करोड़ रुपए का राजस्व मिला।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इसका असर भारत पर भी हो रहा है। देश की सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश के चारों महानगरों समेत सभी प्रमुख शहरों में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और मुंबई में 106.31 रुपए लीटर बिक रहा है। डीलर्स का कहना है कि क्रूड के भाव अगर ऊपर जाते हैं तो कंपनियां पेट्रोल-डीजल के दाम दोबारा बढ़ा सकती हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

केनरा बैंक से लोन लेना हुआ महंगा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट में बढ़ोतरी के बाद अन्य बैंकों ने भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना शुरू कर दिया है। लोगों को अब ज्यादा ईएमआई का भुगतान करना होगा। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने भी ब्यादज दर बढ़ाकर 8.30 प्रतिशत कर दिया है। नई दरें 7 अगस्त से लागू हो गई हैं। जिससे केनरा बैंक से होम, ऑटो, पर्सनल सहित सभी तरह का लोन लेना पहले से ज्यादा महंगा हो गया है। इसके अलावा ऐसे लोग जिन्होंने पहले से लोन लिया है, उन ग्राहकों को अब ज्यादा ईएमआई देनी होगी। केनरा बैंक का यह ऐलान भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से बढ़ाई गई रेपो रेट के बाद आया है। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो रेट को 0.5 फीसदी बढ़ाकर 5.4 फीसदी कर दिया है। यह रेपो रेट का 3 साल का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे कर्ज की मासिक किस्त बढ़ेगी. साथ ही मौद्रिक नीति समिति ने नरम नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान देने का भी निर्णय किया है। केनरा बैंक के मुताबिक आम ग्राहकों के लिए होम लोन पर ब्याज दर को बढ़ाकर 8.10 फीसदी किया जाएगा। वहीं महिला ग्राहकों के लिए इसे बढ़ाकर 8.05 फीसदी किया जाएगा। केनरा बैंक महिला कर्जदारों को 0.05 फीसदी की छूट देता है।

बांग्लादेश में उच्च स्तर पर पहुंची पेट्रोल और डीजल की कीमतें

ढाका । बांग्लादेश में

पेट्रोल की कीमतों में 51.7 फीसदी और डीजल की कीमत में 42 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी गई है। इससे बांग्लादेश में महंगाई और बढ़ने के आसार हैं। हालांकि, ईंधन में मूल्य वृद्धि से बांग्लादेशी सरकार पर सब्सिडी का बोझ कम हो जाएगा। बांग्लादेश पिछले कुछ वर्षों से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। मौजूदा समय में इसकी अर्थव्यवस्था 416 अरब डॉलर की है। बांग्लादेश ने महंगाई से निपटने के लिए आईएमएफ समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से लोन लिया है। दरअसल, दुनियाभर में बढ़े वस्तुओं के दाम ने बांग्लादेश का आयात बिल बढ़ा दिया है जिसकी वजह से अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है। इस मूल्य वृद्धि के बाद बांग्लादेश में एक लीटर पेट्रोल अब 130 टका (बांग्लादेशी करेंसी) और डीजल 114 टका का मिलेगा। 1971 में आजादी के बाद पहली बार कीमतें इस स्तर पर पहुंची हैं। बांग्लादेश सरकार ने एक बयान में कहा है कि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से ईंधन का मूल्य वृद्धि जरूरी हो गई थी। सरकार के अनुसार, पिछले 6 महीने में सरकारी तेल कंपनी बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन को 8 अरब टका का घाटा हुआ है। बांग्लादेश के ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्री नसरूल अहमद ने कहा है कि नई कीमतें बेशक सभी के लिए असहनीय होंगी लेकिन सरकार के पास कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को धैर्य बरतना होगा। बकौल नसरूल, जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटेंगी उसके अनुरूप देश में भी ईंधन की कीमत घटा दी जाएगी।

डॉलर इंडेक्स में नरमी के बाद भी एफपीआई ने एक हफ्ते में खरीदे 14,000 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली ।

पिछले महीने शुद्ध खरीदार बने रहने के बाद, विदेशी निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय इक्विटी पर अपना सकारात्मक रुख जारी रखा और डॉलर सूचकांक में नरमी के बीच अगस्त के पहले सप्ताह में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। शेयर बाजार के आंकड़ों से पता चलता है कि यह पूरे जुलाई में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा किए गए लगभग 5,000 करोड़ रुपए के शुद्ध निवेश से कहीं अधिक था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने लगातार नौ महीनों के पूंजी के भारी ऑउटफ्लो के बाद जुलाई में इक्विटी की जमकर खरीदारी की थी। उल्लेखनीय है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बिकवाली का सिलसिला पिछले साल अक्टूबर से शुरू हुआ था। अक्टूबर 2021 और जून 2022 के बीच उन्होंने भारतीय इक्विटी बाजारों में 2.46 लाख करोड़ रुपये की भारी बिक्री की। यस सिक्योरिटीज के इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के लीड एनालिस्ट हितेश जैन ने कहा अगस्त के दौरान एफपीआई प्रवाह सकारात्मक रहने की उम्मीद है, क्योंकि रुपये के लिए सबसे खराब स्थिति करीब-करीब खत्म हो गई है और कच्चे तेल की कीमत भी एक सीमा में बनी हुई है।

इसके अलावा कंपनियों का नेट प्रॉफिट भी मजबूत बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 14,175 करोड़ रुपए का निवेश किया। एफपीआई द्वारा रणनीति में बदलाव ने बाजार की हालिया तेजी को और मजबूती प्रदान की है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वीके विजयकुमार ने कहा डॉलर इंडेक्स का पिछले महीने के 109 के उच्च स्तर से 106 तक आना एफपीआई प्रवाह का प्रमुख कारण है। यह प्रवृत्ति जारी रह सकती है। वहीं मॉर्निंगस्टार इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इन सभी बातों के अलावा यूएस फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की यह टिप्पणी कि वर्तमान में अमेरिका मंदी में नहीं है, ने वैश्विक स्तर पर जोखिम की भावना को कम करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजारों में हालिया सुधार ने भी खरीदारी का अच्छा अवसर प्रदान किया है और एफपीआई उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों को चुनकर इसका फायदा उठा रहे हैं।

वे पूंजीगत सामान, एफएमसीजी, निर्माण और बिजली जैसे क्षेत्रों में खरीदार बन गए हैं।

कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक संकेतों से तय होगी इस हफ्ते बाजार की चाल

शेयर बाजार मुहर्रम के मौके पर मंगलवार को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार के विश्लेषकों के अनुसार, इस हफ्ते शेयर बाजार का रुख कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक संकेतों से तय होगा। अगला सप्ताह छुट्टियों के कारण सामान्य कारोबारी दिनों के लिहाज से थोड़ा छोटा रहेगा। शेयर बाजार मुहर्रम के मौके पर मंगलवार को बंद रहेंगे। विश्लेषकों के अनुसार विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। स्वास्तिका इंवेस्टमार्ट लिमिटेड के रिसर्च हेड संतोष मीणा ने कहा इस सप्ताह बाजार का सामना तिमाही आय के अंतिम चरण से होगा। बाजार को एसबीआई, एचपीसीएल और बीपीसीएल के नतीजों पर प्रतिक्रिया करनी है। इसके अलावा अडाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, कोल इंडिया, आयशर मोटर्स, हिंडाल्को, ग्रासिम, हीरो मोटोकॉर्प, एलआईसी, ओएनजीसी और बाटा इंडिया के परिणाम भी आगामी सप्ताह में आएंगे। उन्होंने कहा बाजार के लिए वैश्विक संकेत महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि भू-राजनीतिक चिंताएं बढ़ रही हैं। विश्लेषकों के अनुसार, व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर होगी। भारत 12 अगस्त को अपने सीपीआई और आईआईपी आंकड़ों की घोषणा करेगा। अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े 10 अगस्त को आएंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष शोध अजित मिश्रा ने कहा चीन-ताइवान तनाव के और बढ़ने से बाजार में अस्थिरता बढ़ सकती है। आंकड़ों के लिहाज से आईआईपी और सीपीआई मुद्रास्फीति के आंकड़े 12 अगस्त को आने हैं। उधर, हमेशा की तरह डॉलर इंडेक्स का भी भारत के इक्विटी बाजार में निवेश पर असर पड़ेगा। इसके अलावा यूके और यूरोपीय क्षेत्र के औद्योगिक आंकड़ें इस हफ्ते आने हैं। देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में आठ ने पिछले सप्ताह अपने बाजार मूल्यांकन में 98,234.82 करोड़ रुपए जोड़े। केवल एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के मूल्यांकन में ही गिरावट आई। इस अवधि में सर्वाधिक लाभ इंफोसिस (28,170.02 करोड़ रुपए) और टीसीएस (23,582.58 करोड़ रुपए) रहा। भारत के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 6,068 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ।

हालांकि, यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 6.7 फीसदी कम है। वहीं, बैंक की नेट इंटरस्ट इनकम (एनआईआई) में इजाफा हुआ है। बैंक की एनआईआई 12.87 फीसदी बढ़कर 31,196 करोड़ रुपए हो गई तो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 27,638 करोड़ रही थी।

स्कॉर्ट्स कुबोटा समूह ने कहा- ब्याज दरें बढ़ने से ट्रैक्टर की मांग पर असर नहीं

नई दिल्ली । एस्कॉर्ट्स कुबोटा समूह के एक अे धिकारी ने कहा कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से ट्रैक्टर की मांग पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं है, हालांकि उच्च मुद्रास्फीति एक चिंता का विषय है, जो बिक्री को प्रभावित कर सकती है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी और तीसरी तिमाही में ट्रैक्टर की बिक्री में कमी होने का अनुमान है। ऐसा पिछले साल के उच्च आधार प्रभाव के कारण हो सकता है। ट्रैक्टर उद्योग का मानना है कि चौथी तिमाही से बिक्री में तेजी आएगी और उद्योग एक अंकों की निम्न से मध्यम वृद्धि दर्ज कर सकता है।वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से ट्रैक्टर की बिक्री पर क्या असर पड़ सकता है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा एक कृषि उपकरण विनिर्माता है। उन्होंने कहा` कि यदि आप ट्रैक्टरों के लिए ऋण को देखें तो ब्याज दर बहुत अधिक है। ये दरें आरबीआई की ओर से होने वाले बदलावों के साथ नहीं चलती हैं। इस समय ट्रैक्टर ऋण पर ब्याज दर नौ प्रतिशत से लेकर 20 प्रतिशत प्रति वर्ष तक हो सकती है, जो ऋण की अवधि और बैंकों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर की मांग मुद्रास्फीति से अधिक प्रभावित होगी, लेकिन आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि का मामूली प्रभाव ही होगा।

शार्ट न्यूज

नीतू, अमित ने जीते स्वर्ण

बर्मिंघम। भारतीय मुक्केबाज़ अमित पंघल और नीतू घंघस ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारतीय मुक्केबाज़ी का परचम लहराते हुए अपने-अपने फाइनल जीतकर स्वर्ण हासिल किये। अमित पंघल ने पुरुष 51 किग्रा फाइनल में इंग्लैंड के कियेरेन मैकडॉनल्ड को मात देकर सोने का तमगा हासिल किया। गोल्डकोस्ट 2018 खेलों के सिल्वर मेडलिस्ट अमित ने मैच की शुरुआत से ही कियेरेन पर मुक्कों की बारिश कर दी और पहले राउंड में ही अपने विपक्षी को कई चोटें पहुंचायीं। दूसरे राउंड में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमित ने 4-0 के एकतरफा फैसले से स्वर्ण हासिल किया। दूसरी ओर, नीतू घंघस ने महिला 48 किग्रा फाइनल में मेज़बान इंग्लैंड की मुक्केबाज़ डेमी जेड को मात देकर स्वर्ण जीता। दो बार की विश्व यूथ चैंपियन नीतू ने अपनी विपक्षी को 4-0 के एकतरफा फैसले से मात दी।

आनंद बने फिडे उपाध्यक्ष, ड्वोर्कोविच अध्यक्ष

चेन्नई। रूस के आर्केडी ड्वोर्कोविच रविवार को शतरंज ओलंपियाड के दौरान ममल्लपुरम में हुए चुनावों में पुन: अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के अध्यक्ष चुने गये, जबकि भारत के ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। फिडे ने ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, आर्केडी ड्वोर्कोविच को 16 के मुकाबले 157 मतों के साथ अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया। विश्वनाथन आनंद नए फिडे उपाध्यक्ष हैं। आनंद से पहले फ्रांस के ग्रैंडमास्टर बकर कोएटली फिडे उपाध्यक्ष थे।

संदीप कुमार ने पैदल चाल में जीता कांस्य

बर्मिंघम। भारत के अनुभवी रेसवॉक एथलीट संदीप कुमार पूनिया ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इतिहास रचते हुए रविवार को पुरुष 10 किमी पैदल चाल में कांस्य पदक जीता। संदीप ने 38:49.21 के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 10,000 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय एथलीट चार किमी तक प्रथम स्थान पर चल रहे थे।आगे चलकर उनकी रफ्तार में कमी आयी लेकिन वह पोडियम पर स्थान हासिल करने में सफल रहे। यह रेसवॉकिंग में भारत का तीसरा राष्ट्रमंडल पदक है। हरमिंदर सिंह ने भारत के लिये पहली बार दिल्ली 2010 खेलों में 20 किमी रेसवॉकिंग का कांस्य जीता था, जिसके बाद बर्मिंघम 2022 के नौंवे दिन शनिवार को प्रियंका ने महिला 10 किमी रेसवॉकिंग में रजत पदक प्राप्त किया। इस पदक के साथ संदीप 10 किमी रेसवॉकिंग में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गये हैं।

गगनजीत भुल्लर ने जीता इंडोनेशिया ओपन

जकार्ता। भारत के गगनजीत भुल्लर ने रविवार को दो शॉट की जीत के साथ 500,000 बैंक मंदिरी इंडोनेशिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट जीत लिया और चार साल का अंतर्राष्ट्रीय खिताब काअपना सूखा समाप्त कर दिया। भुल्लर (68-67-68-65) ने आखिरी राउंड में सात अंडर 65 का बेहतरीन कार्ड खेला और 20 अंडर 268 के स्कोर के साथ खिताब जीता। यह उनका 11वां अंतर्राष्ट्रीय और एशियन टूर पर 10वां खिताब है। इंडोनेशिया ओपन में यह उनकी तीसरी खिताबी जीत है । इससे पहले उन्होंने 2013 और 2016 में भी यह खिताब जीता था। भारत के राशिद खान (68-70-64-68) 18-अंडर 270 के स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे।

भारत ने तिहरी कूद में जीते स्वर्ण, रजत

बर्मिंघम। भारत के एल्डोस पॉल और अब्दुल्ला अबूबकर ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में एथलेटिक्स में भारत की विजय पताका लहराते हुए तिहरी कूद में स्वर्ण व रजत पदक जीता। एल्डोस ने 17.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि अब्दुल्लाह ने उनसे सिर्फ 0.01 मीटर पीछे रहते हुए 17.02 के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। एल्डोस और अब्दुल्ला के हमवतन प्रवीण चित्रावेल कांस्य पदक से तीन सेंटीमीटर के अंतर से चूक गये और 16.89 मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे।

सिंधु, लक्ष्य फाइनल में, श्रीकांत सेमीफाइनल में हारे

बर्मिंघम। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने-अपने एकल फाइनल में जगह बनायी, हालांकि किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में हार गये। सिंधु ने महिला एकल सेमीफाइनल में सिंगापुर की जिया मिन यिओ को रविवार को 21-19, 21-17 से सीधे गेमों में मात देकर फाइनल में जगह बनायी। सिंधु ने विश्व की 18वें नंबर की खिलाड़ी को हराकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों के एकल फाइनल में जगह बनायी है। उन्होंने गोल्डकोस्ट 2018 खेलों में रजत पदक हासिल किया था। दूसरी ओर, लक्ष्य को फाइनल में पहुंचने के लिये थोड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन अंतत: उन्होंने सिंगापुर के जियाह हेंग टेह को 21-10, 18-21, 21-16 से मात दी। थॉमस कप विजेता टीम के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहला गेम आसानी से जीत लिया, लेकिन दूसरे गेम में सिंगापुरी खिलाड़ी ने अपनी लय हासिल की और मैच को निर्णायक गेम में भेज दिया। तीसरे और अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन ब्रेक तक 11-8 की बढ़त हासिल करने के बाद लक्ष्य ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में अपने लिये एकल पदक सुनिश्चित किया। इसी बीच, मलेशिया के एनजी ट्जे योंग ने पुरुष एकल फाइनल में दूसरे भारतीय खिलाड़ी को पहुंचने से रोका और सेमीफाइल मैच में भारत के किदांबी श्रीकांत 13-21, 21-19, 21-10 से मात दी।

शरत-सत्यन की जोड़ी ने जीता रजत, श्रीजा हारीं

बर्मिंघम। सत्यन ज्ञानसेकरन और अचंत शरत कमल की स्टार टेबल टेनिस जोड़ी ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रविवार को पुरुष युगल का फाइनल मैच हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया। शरत-सत्यन को इंग्लैंड के पॉल ड्रिंकहॉल और लायम पिचफोर्ड ने करीबी मुकाबले में 3-2 से मात दी। इंग्लिश जोड़ी ने पांच गेमों के मैच में 8-11, 11-8, 11-3, 7-11,11-4 से जीत दर्ज की। यह बर्मिंघम 2022 खेलों में भारत का दूसरा टेबल टेनिस पदक है। इससे पहले भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने सिंगापुर को हराकर स्वर्ण जीता था। उल्लेखनीय है कि भारत की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला को महिला एकल के कांस्य पदक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की यांग्ज़ी लियु के हाथों 4-3 से हार मिली।

इज़रायल पर गाजा पट्टी से दागी गयीं लगभग 600 मिसाइलें

तेल अवीव। इजरायल पर गाजा पट्टी की ओर से एक सप्ताह में लगभग 600 मिसाइलें दागी जा चुकी है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि इस सप्ताह की शुरूआत में संघर्ष बढ़ने के बाद से अबतक इजराइल पर गाजा पट्टी की ओर से लगभग 600 मिसाइलें दागी जा चुकी है।एक ब्रीफिंग में प्रवक्ता ने कहा, 580 मिसाइलें पहले ही दागी जा चुकी हैं। शायद ये संख्या और ज्यादा हो सकती है। इनमें से 450 मिसाइलों ने इजराइली क्षेत्र में प्रवेश किया है जबकि 20 प्रतिशत असफल रही हैं। इज़रायल की आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा इंटरसेप्ट की गई मिसाइलों की हिस्सेदारी लगभग 97 प्रतिशत है। आईडीएफ द्वारा शुक्रवार को गाजा पट्टी में इस्लामिक जिहादी अभियान के खिलाफ ब्रेकिंग डॉन अभियान चलाया गया और मिसाइलों से हमला किया गया। इस हवाई हमलों के बाद, ज़ियाद नखलाह, फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के नेता, ने तेल अवीव पर मिसाइल द्वारा जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। इज़राइल ने आपातकाल की घोषणा की और तब से मिसाइल हमले रोके गये लेकिन गाजा पट्टी पर हमले जारी रहे। शुक्रवार दोपहर से, गाजा की सीमा से सटे हुए इजरायली क्षेत्रों और देश के कुछ प्रमुख शहरों में हवाई हमलों के सायरन सुनाई दे रहे हैं।

दो साल बाद हम वनडे क्रिकेट को खो देंगे : मोईन

लंदन। इंग्लैंड के आलराउंडर मोईन अली एक और बड़े क़द के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम के चलते वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के भविष्य पर चिंता जताई है।

हाल ही के दिनों में मोईन के कई साथी, जैसे जॉस बटलर, जो रूट और बेन स्टोक्स, इस विषय पर बात कर चुके हैं। अपने कार्यक्रम के चलते इंग्लैंड ने भारत और साउथ अफ़्रीका के विरुद्ध क्रमश: 25 दिनों में 12 सीमित ओवर मैच खेले थे।

द हंड्रेड प्रतियोगिता में अपनी टीम बर्मिंघम फ़ीनिक्स के पहले मुक़ाबले से पहले एक प्रायोजक के कार्यक्रम के दौरान मोईन ने कहा, कार्यक्रम अभी बहुत विस्तृत है। आप चाहते हैं कि आप फ़्रैंचाइज़ी क्रिकेट के लिए खुद को उपलब्ध रखें लेकिन इसका मतलब होगा टेस्ट या वनडे मैच मिस करना। आप चाहते हैं आप इंग्लैंड के लिए सारे ही मुक़ाबले खेल सकें। मेरे हिसाब से यह धारणीय नहीं है।

उन्होंने कहा,मुझे डर है दो साल बाद हम वनडे क्रिकेट को खो देंगे क्योंकि यह एक लंबा बोरिंग प्रारूप है। टी20 अपनी जगह सुरक्षित है और फिर आपके पास टेस्ट क्रिकेट भी है जो बढ़िया है। इन दोनों के बीच 50-ओवर क्रिकेट को महत्त्व नहीं मिलता। मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है बहुत ज़्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है। एक हिसाब से यह खेल के लिए अच्छा भी है लेकिन इसके वजह से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर रुकावट नहीं होनी चाहिए।

स्टोक्स ने हाल ही में अपने टेस्ट कप्तानी और टी20 क्रिकेट में खेलते रहने के लिए वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। मोईन का कहना है कि ऐसा क़दम कई और खिलाड़ी अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ले सकते हैं। उन्होंने खुद 2021 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी लेकिन इस जून कहा था कि वह फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने के इच्छुक हैं।

मोईन ने कहा, तीनों प्रारूप में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल पाना सबसे अच्छा विकल्प है। लेकिन आज कल इतनी भारी संख्या में मैच हो रहे हैं कि खिलाड़ी एक प्रारूप से संन्यास ले ही लेते हैं। जब तक कार्यक्रम इस प्रकार परस्पर चलेंगे तो ऐसा और होता रहेगा। मोईन खुद फ़िलहाल किसी प्रारूप में इंग्लैंड के लिए मैच मिस नहीं करना चाहते। 35 वर्षीय मोईन को पाकिस्तान में होने वाले टेस्ट सीरीज़ के लिए टीम में शामिल किया जाना संभावित है, लेकिन उन्होंने क्रिकेट में घुस रहे युवा खिलाड़ियों के लिए एक या दो प्रारूप चुनने की कठिनाई पर रोशनी डाली।

उन्होंने कहा, अगर आप युवा खिलाड़ी हैं तो आजकल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़ कर भी आप इतना पैसा कमा सकते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण हैं क्योंकि आप क्रिकेट की चोटी टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी भूख को खो सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि अगर आप टेस्ट भी नहीं खेलते तो आपके पास इतने विकल्प बचते हैं। मुझे पता है यह भविष्यवाणी करना बहुत जल्दी होगा लेकिन कई बेहतरीन खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से मुंह मोड़ लेंगे। आज के क्रिकेटरों के लिए टेस्ट ना खेल पाना कोई बड़ी बात नहीं जबकि 10-15 साल पहले तक यही वह कसौटी थी जिस पर आप सफल होना चाहते थे।

प्रो कबड्डी नीलामी : पहली बार कोई खिलाड़ी 2 करोड़ के पार

एजेंसी

मुंबई। वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 9 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी मुंबई में मशाल स्पोर्ट्स द्वारा 5-6 अगस्त, 2022 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। पवन कुमार सहरावत, जिन्हें तमिल थलाइवाज द्वारा सबसे महंगी बोली लगाकर खरीदा गया, लीग इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हुए। दो दिवसीय आयोजन में में 12 फ्रेंचाइजी टीम ने कुल 130 खिलाड़ियों के साथ करार किया। नीलामी का मुख्य आकर्षण पवन कुमार सेहरावत रहे, जिन्होंने तमिल थलाइवाज द्वारा 2.26 करोड़ रुपये की भारी राशि में खरीदे जाने के बाद अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस बीच, विकास कंडोला को बेंगलुरु बुल्स के रूप में एक नया घर मिला। बुल्स ने उन्हें 1.70 करोड़ रुपये (पवन कुमार सेहरावत की बोली लगाने तक का रिकॉर्ड) में खरीदा। इस तरह कंडोला वीवो प्रो कबड्डी लीग प्लेयर नीलामी इतिहास में अब तक के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। फ्रैंचाइजी द्वारा 90 लाख रुपये में फाइनल बिड मैच कार्ड का उपयोग करने के बाद परदीप नरवाल एक बार फिर यूपी योद्धा टीम में लौट आए। इस बीच, रेडर गुमान सिंह वीवो प्रो कबड्डी लीग प्लेयर नीलामी में सबसे महंगे श्रेणी-बी खिलाड़ी के रूप में उभरे। गुमान को यू मुंबा ने 1.21 करोड़ रुपये में खरीदा।

इसके अलावा, डिफेंडर सुनील कुमार श्रेणी-बी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें जयपुर पिंक पैंथर्स ने 90 लाख रुपये में खरीदा। हरियाणा स्टीलर्स द्वारा 65.10 लाख रुपये में खरीदे जाने के बाद अमीर होसिन बस्तमी श्रेणी-सी में सबसे महंगे खिलाड़ी रहे।

इस बीच, दबंग दिल्ली केसी. द्वारा 64.10 लाख रुपये में खरीदे जाने के बाद रवि कुमार सरप्राइज पिक के रूप में उभरे। नीरज नरवाल (43 लाख रुपये) और रिंकू नरवाल (40 लाख रुपये) ने भी भारी कमाई की। इन दोनों को क्रमश: बेंगलुरु बुल्स और गुजरात जायंट्स ने अपने साथ जोड़ा।

सार्थक और रहीश ने जीत हासिल की

चेन्नई। 2022 एमआरएफ एमएमएससी एफएमएससीआई इंडियन नेशनल मोटरसाइकल रेसिंग चैम्पियनशिप के तीसरे राउण्ड के दूसरे दिन के समापन के साथ 20 नेक्स्ट-जेन मिलेनियल राइडरों ने मैदान पर पावर पैक्ड परफोर्मेन्स दिया। आईडेमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप एनएसएफ250आर की आज की रेस में पुणे के सार्थक चवन ने 22 सैकण्ड की ज़बरदस्त बढ़त के साथ एक बार फिर से जीत हासिल कर ली। ट्रैक पर अपना जादू दर्शाते हुए मुंबई के 14 वर्षीय रहीश खत्री ने अपना प्रभुत्व बनाए रखा और आईडमिट्सु होण्डा इंडिया टैलेंट कप सीबीआर150आर में जीत हासिल कर ली। तीसरे राउण्ड के अंत में सार्थक और रहीश दोनों ने एनएसएफ250आर और सीबीआर150आर कैटेगरीज़ में चैम्पियनशिप के लीडर्स के रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा। तीसरे राउण्ड के बारे में बात करते हुए प्रभु नागराज-ऑपरेटिंग ऑफिसर, ब्राण्ड एण्ड कम्युनिकेशन, होण्डा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, ''हमारे युवा राइडरों को इतने जोश और उत्साह के साथ मुकाबला करते हुए देख हम बेहद खुश हैं।

भारत ने महिला हॉकी में 16 साल बाद जीता राष्ट्रमंडल पदक

बर्मिंघम। भारतीय महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रविवार को न्यूज़ीलैंड को शूटआउट में मात देकर 16 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीता। भारत ने कांस्य पदक मैच में न्यूज़ीलैंड को 1-1 (शूटआउट में 2-1) से हराकर कांसे का तमगा अपने नाम किया। सलीमा टेटे (29%) ने भारत का एकलौता गोल किया, जबकि कीवी टीम की ओर से ओलिविया (59%) ने गोल किया। शूटआउट में भारत के लिये सोनिका और नवनीत ने गोल किये।

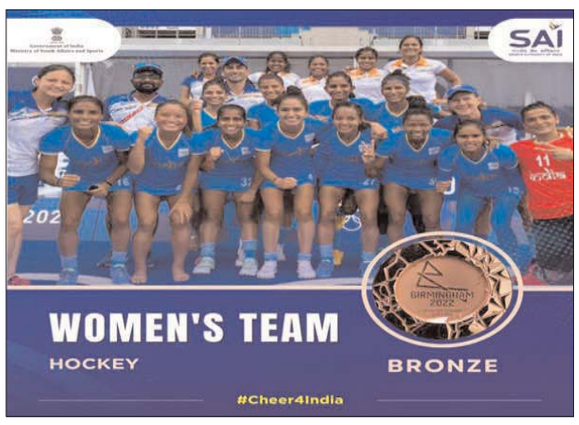

मैच का पहले क्वार्टर में भारत ने न्यूज़ीलैंड पर दबदबा बनाया मगर कीवी गोलकीपर ने भारत को खाता नहीं खोलने दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने आक्रामक रवैया बरकरार रखा और जब हाफ टाइम में दो मिनट का समय बचा था तब सलीमा टेटे ने गेंद को नेट तक पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी। मैच के तीसरे क्वार्टर में न्यूज़ीलैंड मैच को बराबरी पर लाने के लिये आतुर थी। जब क्वार्टर-3 की समाप्ति में सिर्फ दो मिनट बचे थे तब न्यूज़ीलैंड ने एक गोल किया भी, मगर भारत के वीडियो रेफरल के बाद उसे अमान्य घोषित कर दिया गया।

भारत मैच के 58वें मिनट तक 1-0 से आगे चल रहा था और कांस्य पदक से एक हाथ की दूरी पर था कि तभी लालरेमसियामी को येलो कार्ड मिला और फील्ड पर सिर्फ 10 भारतीय खिलाड़ी रह गये। ज्यादा खिलाड़ियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने भारतीय हाफ में जगह बना ली। यहां पहले कीवियों को पेनल्टी कॉर्नर और फिर पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसके उपयोग से न्यूज़ीलैंड ने स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया। भारत को सेमीफाइनल मैच के शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया से 3-0 से मात मिली थी, और यह मैच भी शूटआउट में जा चुका था।

गाजा: इजरायल के हवाई हमले में इस्लामिक जिहाद के दो टॉप कमांडर ढेर

गाजा पट्टी में संघर्ष में अब तक 24 मौतें

गाजा सिटी। इजरायल की ओर से गाजा पट्टी में किए गए एयर स्ट्राइक में फलस्तीन के उग्रवादी समूह इस्लामिक जिहाद के दो टॉप कमांडर ढेर हो गए हैं। दोनों में से एक दक्षिण गाजा पट्टी का टॉप कमांडर था। इससे एक दिन पहले इजरायल ने ईरान समर्थित समूह के उत्तरी गाजा क्षेत्र के एक कमांडर को हवाई हमले में मार गिराया था। इस हवाई हमले से 2021 में 11 दिन तक चले युद्ध के बाद इजराइल और फलस्तीनी उग्रवादियों के बीच फिर से सीमा पार संघर्ष शुरू गया है।

अल कायदा ब्रिगेड्स ऑफ इस्लामिक जिहाद ने रविवार को पुष्टि की कि दक्षिणी गाजा के रफाह शहर में हवाई हमले में कमांडर खालिद मंसूर तथा उसके दो साथी मारे गए। उसने बताया कि एक बच्चे तथा तीन महिलाओं

समेत पांच अन्य नागरिक भी हवाई हमले में मारे गए तथा रफाह में कई मकान नष्ट हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार देर रात कहा कि तटीय गाजा पट्टी में अभी तक छह बच्चों समेत 24 लोगों की मौत हो चुकी है।

ऐसी संभावना है कि इसमें रफाह हवाई हमले में मारे गए लोगों की संख्या शामिल नहीं है क्योंकि नागरिक रक्षा बचावकर्ता अब भी शवों को निकाल रहे हैं।

इजरायल का कहना है कि उसके हवाई हमलों में करीब 15 आतंकवादी मारे गए हैं।

इस्लामिक जिहाद के उग्रवादी इजरायल की ओर लगातार रॉकेट दाग रहे हैं और इजरायली सेना गाजा पर हवाई हमले कर रही है। हालांकि, रविवार सुबह गोलीबारी थोड़ी कम हुई। इजरायल की ओर से इस्लामिक जिहाद के वरिष्ठ कमांडर को मार गिराए जाने के बाद यह लड़ाई शुरू हुई।

लड़ाकू विमान ने कई इमारतों को किया नष्ट

शनिवार को इजरायल के युद्धक विमानों ने गाजा सिटी में चार रिहायशी इमारतों को नष्ट कर दिया। ये सभी इमारतें इस्लामिक जिहाद से संबद्ध बताई जाती हैं। अभी हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। प्रत्येक हमले से पहले इजराइली सेना ने नागरिकों को आगाह किया था। शनिवार को ही एक कार पर हुए हमले में 75 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए थे।

पाकिस्तान की नौ संसदीय सीटों पर उपचुनाव लड़ेंगे इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नौ संसदीय सीटों पर होने वाला उपचुनाव लड़ने के फैसले के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय राजकोष पर करोड़ों रूपये का भार पड़ने का अंदेशा जताया गया है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय संसद के स्पीकर द्वारा पीटीआई के कुछ सांसदों का इस्तीफा स्वीकार कर लिये जाने के बाद ये सीटें रिक्त हैं। अगर श्री खान इन सभी सीटों पर चुनाव जीतते हैं तो उन्हें एक को छोड़कर शेष सीटों से इस्तीफा देना पड़ेगा और वहां फिर से उपचुनाव कराने होंगे। अनुमान के मुताबिक एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव में होने वाला न्यूनतम खर्च करीब पांच से नौ करोड़ रूपये व्यय होना संभावित है। वहीं संवेदनशील और दूर-दराज के क्षेत्रों में यह लागत लगभग 10 करोड़ रुपये होगा।

इमरान खान की पार्टी के विधायक पर जानलेवा हमला, भाई-भतीजे समेत चार लोगों की मौत

एजेंसी

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक दल के एक प्रांतीय विधायक को निशाना बनाकर किए गए बंदूकधारियों के हमले में उनके भाई-भतीजे और दो पुलिसकर्मियों समेत कुल चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विधायक हमले में घायल हो गये। पुलिस ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के विधायक मलिक लियाकत खान इस हमले में घायल हो गए। हालांकि, शनिवार देर रात हमले में तीन अन्य लोगों के साथ घायल हुए विधायक को प्रांतीय राजधानी पेशावर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल, इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है।

जानकारी के मुताबिक, हमला रूढ़िवादी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के निचले दीर जिले के मैदानी इलाके में हुआ। इस प्रांत में इमरान खान की पार्टी की सरकार है। पुलिस अधिकारी जर बादशाह ने कहा कि मारे गए लोगों में पीटीआई के विधायक का भतीजा और भाई शामिले थे। वह दोनों शनिवार देर रात एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। पाकिस्तानी की शीर्ष जांच एजेंसी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के खिलाफ प्रतिबंधित वित्त पोषण मामले की जांच में सहयोग करने के लिए पांच सदस्यीय विशेष निगरानी समिति का गठन किया है। मीडिया में रविवार को आई एक खबर में बताया गया कि प्राधिकारियों ने इस मामले की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अभी इस मामले की जांच मंडलीय दल कर रहे हैं।

ओएससीई की महासचिव तुर्की की करेंगी यात्रा

अंकारा। यूरोप के सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) की महासचिव हेल्गा श्मिड सात से नौ अगस्त तक तुर्की का दौरा करेंगी। विदेश मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, ओएससीई की महासचिव महामहिम सुश्री हेल्गा मारिया श्मिड, सात से नौ अगस्त को तुर्की की यात्रा करेंगी और इसी के साथ वह यहां 13वें राजदूत सम्मेलन में अपना सम्बोधन देंगी। मंत्रालय ने बताया कि सुश्री श्मिड मौजूदा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, विशेष रूप से यूक्रेन के घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए तुर्की के विदेश मंत्री मेवलुत कावुसोग्लू के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी। तुर्की ओएससीई का एक संस्थापक सदस्य है। संगठन की व्यापक सुरक्षा के अनुसार, अंकारा आर्थिक-पर्यावरणीय और मानवीय आयामों में अपने काम में सक्रिय रूप से भूमिका निभाता है।

मैक्सिकन वायु सेना का पहला विमान भीषण आग बुझाने पहुंचा क्यूबा

हवाना। क्यूबा के मटांजास प्रांत में तेल डिपो पर बिजली गिरने से लगी आग बुझाने, मैक्सिकन वायु सेना का पहला विमान सैन्य और तकनीकी कर्मियों को लेकर यहां पहुंचा। क्यूबाडेबेट न्यूज पोर्टल ने रविवार को यह जानकारी दी। पोर्टल के अनुसार, घटना मटांजास प्रांत में शुक्रवार शाम की है, जब मौसम खराब के दौरान करीब 25,000 क्यूबिक मीटर तेल से भरे एक टैंक के गुंबद पर बिजली गिरने से तेल भंडारण सुविधा में भीषण आग लग गई। दमकल की गाड़ियों मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करने के बाद भी, आग पास के एक टैंक में फैल गई, जिससे कई विस्फोट हो गए। दमकल कर्मियों ने लगातार 24 घंटे से अधिक समय तक आग बुझाने में अपनी ऊर्जा वहन की। मैक्सिकन मीडिया ने शनिवार को बताया कि पेमेक्स तेल और गैस निगम के विशेषज्ञों की एक टीम मैक्सिकन राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर के निर्देश पर क्यूबा भेजी जाएगी।

सुरक्षित हैं रूसी पत्रकार असलमोवा: रूसी दूतावास

बेलग्रेड। रिपब्लिक ऑफ कोसोवो में हिरासत में ली गयी रूस के कोम्सोमोल्स्काया प्रावदा अखबार की संवाददाता डारिया असलमोवा सुरक्षित है और मध्य सर्बिया में है। सर्बिया में रूसी दूतावास ने रविवार को यह जानकारी दी और कहा कि उनको हिरासत में लेने का कोई आधार ही नहीं है। सुश्री असलमोवा को कुछ समय पहले कोसोवो गणराज्य में हिरासत में लिया गया था। इससे पहले दिन में गणतंत्र के आंतरिक मंत्री, ज़ेलाल स्वेक्ला ने कहा कि सुश्री असलमोवा को कोसोवो सीमा पर गणतंत्र में प्रवेश करने का प्रयास करते हुए गिरफ्तार किया गया था, और उन पर बिना सबूत के जासूसी का आरोप है। वहीं रूसी दूतावास ने कहा, फिलहाल सुश्री असलमोवा सुरक्षित है और मध्य सर्बिया में है। दूतावास ने कहा, झूठे आरोप के तहत कोसोवरों ने सुश्री असलमोवा को अपनी सीमा में प्रवेश नहीं कर दिया और अजीब तरह से उन पर रूसी गुप्त सेवाओं के लिए काम करने का आरोप लगाया। उन्हें कई घंटों तक हिरासत में रखा, उनके सेल फोन का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया और तलाशी के लिए उनका सारा निजी सामान ले लिया।

अल-जवाहिरी का शव नहीं मिला : तालिबान

काबुल। तालिबान ने कहा है कि उसे अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अमेरिकी मिसाइल हमले के स्थल से अल-कायदा आतंकवादी समूह के नेता अयमान अल-जवाहिरी का शव नहीं मिला। इससे पहले सप्ताह में, तालिबान ने कहा था कि उसे अल-जवाहिरी के काबुल में आने और रहने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने शनिवार को कहा, हमें उस जगह पर कोई शव नहीं मिला जहां अमेरिकी ड्रोन ने हमला किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने पहले अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि अल-जवाहिरी हाल के महीनों में सिराजुद्दीन हक्कानी के परिसर के पास मध्य काबुल में रह रहा था। सूत्रों के अनुसार अल-जवाहिरी 2021 के अंत में काबुल चला गया और हक्कानी के संरक्षण में था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादक: प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विंध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप :स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलिंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन : सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत : शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश : भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।